जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 167 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 9 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अप्रेल में राज्यसभा की सीटें खाली हो रही हैं राजस्थान से

ऐसा अनुमान है, दो सीटें भाजपा को और एक कांग्रेस को मिलेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। राजस्थान से कांग्रेस के लिए एकमात्र राज्यसभा सीट को लेकर हड़बड़ी शुरू हो गई है।

जो उम्मीदवार संसद के ऊपरी सदन में प्रवेश करने के लिए दौड़ में हैं, उनकी सूची लंबी है। उतनी ही लंबी, जितनी इन कांग्रेसी नेताओं की आकांक्षाएं।

अप्रैल 2026 में तीन सीटें खाली होंगी, जिनमें से दो सीटें भाजपा को मिलेंगी, और एक सीट कांग्रेस पार्टी को मिलेगी।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्यसभा में अपना स्थान बनाने और अपनी राजनीति दिल्ली शिफ्ट करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अच्छे से मालूम है कि राजस्थान में उनके रास्ते बंद हो चुके हैं।

वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को हटाकर उनकी जगह राज्यसभा में विपक्ष के नेता बनने का सपना देख रहे हैं।

जैसा कि पहले ही रिपोर्ट किया गया है, गहलोत अपनी सभी तैयारियाँ मुंबई से कर रहे हैं, जो देश की वित्तीय राजधानी है।

- कांग्रेस की सीट के लिए काफी घमासान मचा है तथा सबसे आगे खड़े हैं, पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत। गहलोत की महत्वाकांक्षा है, वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालें। इसीलिए गहलोत देश की फायनैंशियल राजधानी मुंबई गए हुए हैं, अपनी राज्यसभा सीट का पूरा इंतज़ाम करने।
- दूसरे सशक्त उम्मीदवार हैं, अभिषेक मनु सिंघवी। जाने माने वकील, जो कांग्रेस के लिए कवच की जिम्मेवारी निभाते हैं, पार्टी व उसके नेताओं के खिलाफ दायर मुकदमों में। दो वर्ष पूर्व वे तेलंगाना से राज्यसभा सदस्य बने, बाई इलैक्शन में। उनका कार्यकाल इस वर्ष पूरा हो रहा है, अतः वे राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बनने का प्रयास कर सकते हैं। पर, उनके समक्ष तेलंगाना का विकल्प भी है, क्योंकि तेलंगाना में भी सीटें खाली हो रही हैं। एक पर तेलंगाना के मु.मंत्री अपने नज़दीकी अनिल यादव को लाना चाहते हैं, पर, दूसरी सीट पर अभी तक कोई गंभीर उम्मीदवार नहीं है।
- राजस्थान में कांग्रेस की सीट के लिए तीसरे महत्वपूर्ण उम्मीदवार पवन खेड़ा हैं। पिछली बार भी वे उम्मीदवार थे, पर, हार गए थे और अपनी हार पर उनकी रोचक टिप्पणी थी, ''शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई थी।'' इस बार वे उस कमी को पूरा करने के लिए विपश्यना कैम्प में भी गए थे।
- वरिष्ठ नेता सी.पी. जोशी, कांग्रेस की सीट पर आँख गाड़े बैठे हैं, हालांकि, वे राहुल गांधी को नाराज़ कर चुके हैं, अतः के.सी. वेणुगोपाल के रास्ते से अंदर घुसना चाहते हैं।
- वैसे पवन गोदारा का नाम भी जोरों से चल रहा है। तर्क है कि जाट को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाया जाएगा। अतः दूसरे जाट को राज्यसभा का टिकट देकर, जाटों को थोड़ी सांत्वना तो देनी ही चाहिए।

एक और दावेदार हैं अभिषेक मनु सिंघवी, जो राजस्थान से हैं और राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। दो साल पहले उन्हें तेलंगाना से उपचुनाव में राज्यसभा के लिए चुना गया था, उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में फ्लू के मामलों में तेजी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। पिछले कुछ हफ्तों से दिल्ली-एनसीआर में फ्लू जैसे लक्षणों और सांस से जुड़ी बीमारियों के मामलों में साफ बढ़ोतरी देखी जा रही है। मरीजों में खांसी-जुकाम, तेज बुखार, बदन दर्द, छाती में जकड़न, सिरदर्द और कुछ मामलों में उल्टी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं।

चिंता की बात सिर्फ मरीजों की संख्या नहीं है, बल्कि बीमारी का तरीका भी है। कई लोग उम्मीद से ज्यादा समय में ठीक हो रहे हैं, जबकि कुछ की, थोड़ी राहत के बाद, फिर से तबीयत बिगड़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि यह सर्दियों में होने वाले मौसमी संक्रमण जैसा ही है, लेकिन लक्षणों की तीव्रता, खासकर अचानक तेज बुखार और लंबे समय तक रहने वाली खांसी, लोगों को डरा रही है।

- सूत्रों ने बताया कि लोगों में खांसी, जुकाम, तेज बुखार, बदन दर्द, सीने में जकड़न, सिरदर्द और उल्टी की शिकायत बढ़ गई है। कुछ मरीजों में तो एच3 एन3 वायरस भी पाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका हमेशा वेनेज़ुएला के ऑयल के निर्यात पर नियंत्रण रखेगा?

राष्ट्रपति ट्रंप व अमेरिका के एनर्जी सैक्रेटरी क्रिस राइट ने अमेरिका का यह दीर्घकालीन प्लान उजागर किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। ट्रम्प प्रशासन वेनेज़ुएला के तेल की भविष्य में होने वाली बिक्री पर नियंत्रण करने और उसकी आय को अमेरिकी खातों में रखने की योजना बना रहा है। ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने यह जानकारी दी, जो अब तक की वॉशिंगटन की रणनीति पर सबसे स्पष्ट बयान है। यह रणनीति वेनेज़ुएला के कच्चे तेल को बाज़ार में लाने और इसके सबसे मूल्यवान संसाधन पर नियंत्रण रखने के लिए है।

राइट, जो बुधवार को मायामी गोल्डमैन सैक्स ग्रुप इंक. के सम्मेलन में बोल रहे थे, ने कहा कि शुरुआत में यह तेल वेनेज़ुएला के स्टोर किए गए तेल से आएगा, जो अमेरिकी नाकेबंदी के कारण भरने लगा है और कुछ उत्पादन को ऑफलाइन करने की धमकी दे रहा है।

राइट ने कहा, ''हम बस उस तेल को फिर से प्राप्त करेंगे और बेचेंगे, हम वेनेज़ुएला से आने वाले तेल को मार्केट करेंगे, पहले यह बैक-अप स्टोर किया हुआ तेल और फिर अनिश्चितकालीन रूप से हम वेनज़ुएला से जो उत्पादन होगा, उसे बेचेंगे।''

- ट्रंप के अनुसार, पहले अमेरिका वेनेज़ुएला के पास जमा उस 50 मिलियन बैरल ऑयल, जिसकी कीमत 2.8 बिलियन डॉलर आंकी जाती है और जो वेनेज़ुएला के स्टोरेज में रखा है और जिसकी अमेरिका के ''ब्लॉकेड'' के कारण बिक्री नहीं हो सकी थी, को बेचेगा।
- और इसके बाद जो भी ऑयल वेनेज़ुएला की ऑयल फील्डस से निकलेगा, उसका बेचान भी अमेरिका ही करेगा।
- इसके अलावा अगले सप्ताह, अमेरिका की सीनेट में एक विधेयक पेश होगा, जिसके अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति को अधिकार मिलेगा, मॉस्को से व्यापारिक संबंध रखने वाले देश, जैसे भारत, चीन, ब्राज़ील आदि, पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकने का, अगर ये देश रूस से ऑयल खरीदते रहे।
- यह 500 प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया जाएगा, क्योंकि अमेरिका की दृष्टि में ये देश रूस से ऑयल खरीद कर रूस के हाथ मजबूत कर रहे हैं, यूक्रेन युद्ध जारी रखने के लिए।

यह योजना तब सामने आई है, जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या लद्दाख में भारतीय सेना को रैस्क्यू मिशन्स में उलझाया जा रहा है

उमलिंग ला पास पर एक यू ट्यबूर को सेना द्वारा बचाए जाने से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। लद्दाख में ऊंचाई वाले इलाकों में बचाव अभियानों में भारतीय सेना की भूमिका को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। यह बहस उस वायरल वीडियो के बाद शुरू हुई है, जिसमें एक मशहूर यूट्यूबर को ''उमलिंग ला पास'' के पास बचाया जाता हुआ दिखाया गया है। उमलिंग ला दुनिया की सबसे ऊंची मोटर चलाने योग्य सड़कों में से एक है। यह बहस एक्स पर रतन ढिल्लों की पोस्ट से शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से सेना अपने मुख्य काम से भटक जाती है, जबकि यह इलाका बहुत संवेदनशील सीमा क्षेत्र है।

ढिल्लों ने कहा, ऐसा लगता है कि लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सेना को अपने असली कर्तव्यों पर ध्यान देने के बजाय, लोगों को बचाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे उसकी परेशानियाँ बढ़

- उमलिंग ला पास विश्व की ऐसी सबसे ऊंची सड़कों में से एक है, जहाँ वाहन चलाया जा सकता है, पर, इसके लिए वाहन चालक में विशेष योग्यता की जरूरत होती है।
- एक यूज़र, रतन ढिल्लों ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा, ऐसे खराब मौसम में इन दुर्गम स्थानों पर जाने की किसी को भी अनुमति क्यों दी जाती है, क्योंकि इन लोगों को बचाने की कवायद में सेना अपने असली मिशन से भटक जाती है।

रही हैं।

इस घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, ''हाल ही का एक उदाहरण एक मशहूर यूट्यूबर का है, जिसे न तो सही ड्राइविंग आती थी और न ही उसे ऊंचाई वाले इलाकों का कोई अनुभव था। उसे कल उमलिंग ला पास पर बचाना पड़ा, जो दुनिया का सबसे ऊंचा मोटर चलाने योग्य पास है। उसने खुद वीडियो में ''ब्लैक आइस'' का जिक्र किया है और यह भी कहा है कि वहां आसपास कोई और व्यक्ति या वाहन मौजूद नहीं था।''

इस पोस्ट ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आम लोगों, खासकर खराब मौसम के समय, को ऐसे बेहद खतरनाक इलाकों में जाने की इजाज़त क्यों दी जाती है।

ढिल्लों ने एक्स पर पूछा, ''इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भर्ती प्रक्रिया के हर स्तर पर मिली भगत साबित नहीं हुई'

जयपुर, 8 जनवरी। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में गुरुवार को चयनित अभ्यर्थियों की ओर से हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष अपना पक्ष रखा गया। वहीं, अदालत ने मामले में अब 12 दिसंबर को सुनवाई तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- एसआई भर्ती मामले में चयनित अभ्यर्थियों के अधिवक्ता ने पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान, चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन माथुर ने अदालत को बताया कि मामले में एसओजी की रिपोर्ट नकल कराने वाली गैंग के सदस्यों का इतिहास बताती है, न कि इस भर्ती के पेपर लीक को। एकलपीठ के समक्ष याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लगातार नौवाँ बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री होंगी निर्मला सीतारमण

सबसे मजेदार बात यह है कि उन्होंने अब तक के अपने सभी बजट एक ही प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पेश किए हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली बार 1 फरवरी को 2026-27 का केन्द्रीय बजट पेश करेंगी, जो कि रविवार का दिन होगा।

इससे पहले, बजट शनिवार को तो पेश किया जाता रहा है, लेकिन कभी भी रविवार को नहीं पेश किया गया।

संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति का सम्बोधन 28 जनवरी को होगा, जो बजट सत्र की शुरुआत होगी। आर्थिक सर्वेक्षण (इकॉनॉमिक सर्वे) 29 जनवरी को पेश किया जाएगा।

हाल ही में हुए अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों, जिनमें वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा एक सनसनीखेज सैन्य ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया, को देखते हुए, इस सत्र में विवाद होने की संभावना है।

- इससे पहले, हालांकि, मोरारजी देसाई 10 बजट पेश कर चुके हैं, पर, उन्होंने दो अलग-अलग दौर में बजट पेश किए थे।
- इस बार के बजट की एक खास बात यह है कि बजट एक फरवरी, रविवार को पेश होगा, आमतौर पर रविवार को संसद में अवकाश रहता है।
- लेकिन हालिया अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम की वजह से संसद में विपक्ष के सवाल सरकार को असहज कर सकते हैं। वेनेज़ुएला घटनाक्रम पर भारत सरकार की हल्की प्रतिक्रिया को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो सकता है।
- इसके अलावा भारतीय प्रधानमंत्री के संदर्भ में ट्रंप की अपमानजनक टिप्पणियों व धमकियों के मद्देनज़र भी विपक्ष सरकार की घेराबंदी के लिए तैयार है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता सरकार से वेनेज़ुएला में हुए घटनाक्रमों पर भारत सरकार की मूक प्रतिक्रिया पर सवाल उठाने की तैयारी कर रहे हैं, साथ ही हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक और उकसाने वाली टिप्पणियों पर भी विपक्ष सवाल करेगा। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते निचले स्तर पर हैं, और वॉशिंगटन रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल लागू करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य भारत, चीन तथा ब्राज़ील सहित, उन देशों को दंडित करना है, जो रूस का तेल खरीदते हैं और ''पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन प्रदान करते हैं''। इस बिल में एक प्रावधान है, जिसके तहत संयुक्त राज्य अमेरिका उन देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा सकता है, जो रूस का तेल खरीदते हैं। प्रधानमंत्री मोदी या उनके किसी वरिष्ठ मंत्री ने इन घटनाक्रमों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विपक्षी नेता इन और अन्य संबंधित मुद्दों पर सरकार को घेरने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरमथुरा में खनन माफिया ने वनरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ाया

सरमथुरा, 8 जनवरी (निसं)। उपखंड के झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल रेत खनन रोकने के दौरान वनरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। बुधवार रात करीब 12 बजे अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर को वनरक्षक के पैर पर चढ़ा दिया।

- वनरक्षक जितेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल, ट्रैक्टर चालक वाहन सहित फरार।

घायल वनरक्षक का नाम जितेन्द्र सिंह है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

यह घटना बुधवार रात को हुई। वनपाल बने सिंह को सुरक्षाकर्मी रघुराज (निवासी झिरी) से अवैध चंबल खनन की सूचना मिली थी। बताया गया था कि खनन माफिया ट्रैक्टरों से रेत ले जा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर वन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता अपने वफादार के यहाँ चल रही ईडी की रेड के दौरान बंगाल पुलिस के साथ पहुँची

सबूत के रूप में इकट्ठे सारे कागज़ात, इलैक्ट्रॉनिक प्रमाण व कम्प्यूटर लेकर रवाना हुईं

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। हमेशा की तरह ममता बनर्जी को जांच पसंद नहीं है, खासकर तब, जब जांच उनके प्रभाव वाले इलाकों में हो रही हो।

ममता बनर्जी ने अपराधों के सबूत मिटाने और आरोपित लोगों को बचाने में खास महारथ हासिल कर ली है। ईडी जैसी संवेदनशील एजेंसी की जांच में रुकावट डालने पर भी ऐसे बड़े लोगों के खिलाफ कुछ नहीं होता, जबकि आम आदमी को इसी अपराध में सालों तक जेल हो सकती थी।

पिछले साल कोलकाता में राज्य सरकार के एक अस्पताल में एक युवा डॉक्टर को दी गई यातना और हत्या के मामले में भी इसी तरह से मामला दबा दिया गया था। उसके बाद उस डॉक्टर की मौत और हत्या की जांच का क्या हुआ, इसकी किसी को कोई खबर नहीं है।

राजनीतिक सलाहकार कंपनी आई-पैक के दफ्तरों पर ईडी के छापों और जांच की कार्यवाही उस समय रूक गई, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दफ्तर में घुस कर राज्य पुलिस की मदद से वहां से अहम कागज़ात, इलेक्ट्रॉनिक सबूत और कंप्यूटर जबरन उठाकर ले गईं।

अनुप माझी और उसके साथियों पर आरोप है कि उन्होंने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की लीज़ से कोयला चोरी किया और उसका पैसा आई-पैक को भेज दिया गया, जिसे बाद में हवाला के जरिए इधर-उधर किया गया। ईडी, आई-पैक और उसके प्रमुख, प्रतीक जैन के कुल दस ठिकानों से सबूत इकट्ठा कर रही थी।

- फिर, एक प्रैस कॉन्फ्रैंस कर ईडी पर आरोप लगाया कि ईडी उनके चुनाव की रणनीति व आगामी चुनाव से संबंधित कागज़ात व डेटा ले जा रही थी। अतः उन्हें व्यक्तिगत तौर पर हस्तक्षेप करना पड़ा, अपनी पार्टी की चुनाव संबंधित जानकारियों की गोपनीयता बरकरार रखने के लिए।
- सबूत मिटाकर, अपने आदमी को बचाने की नीति का ममता बनर्जी शुरु से अनुसरण करती आई हैं, चाहे, गतवर्ष एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की हत्या व बलात्कार का मामला हो या दमदम हवाई अड्डे पर उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की पत्नी को भारी मात्रा में सोने के साथ पकड़े जाने का मामला हो, कस्टम व एक्साइज़ विभाग के अधिकारी उनको हिरासत में लेने की तैयारी में थे, उस समय भी बंगाल पुलिस का जत्था हवाई अड्डे पहुँचा व गिरफ्तारी के प्रयास को नाकाम किया तथा श्रीमती अभिषेक बनर्जी सोने के साथ बाइज़्ज़त हवाई अड्डे से बाहर निकली थी।

इनमें से छह दफ्तर और ठिकाने पश्चिम बंगाल में और चार दिल्ली में थे। सभी जगह एक साथ छापे की कार्यवाही चल रही थी। सॉल्ट लेक स्थित आई-पैक के मुख्य दफ्तर और प्रतीक जैन के घर पर भी अवैध कोयला खनन और हवाला लेन-देन के मामले में ईडी छापा मार रही थी।

ईडी सूत्रों ने बाद में बताया कि कई बहुत अहम सबूत पहले ही जुटा लिए गए थे तथा और भी सबूत मिल रहे थे, तभी मुख्यमंत्री अपनी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंचीं और सभी अहम कागज़ात और इलेक्ट्रॉनिक सबूत अपने साथ ले गईं।

ईडी प्रतीक जैन के घर पर थी, जो आई-पैक के मालिकों और संस्थापकों में से एक हैं। उन पर अनुप माझी के साथ मिलकर कोयला तस्करी और हवाला लेन-देन करने का आरोप है। अनुप माझी पहले ही पकड़ा जा चुका है और उससे पूछताछ चल रही है।

कहा गया है कि ममता बनर्जी, उनके करीबी और रिश्तेदार पहले भी इस तरह बिना किसी डर के ऐसे काम करते रहे हैं। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी पहले इसी तरह का काम किया था।

बाद में ममता बनर्जी ने प्रेस को बुलाकर कहा कि ईडी आई-पैक के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भर्ती परीक्षा में नकल का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 8 जनवरी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) राजस्थान ने भर्ती परीक्षा में नकल कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दस हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशासी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के दौरान नकल कराने की शिकायत मिली थी। तकनीकी जांच में सामने आया कि तुलछाराम कलेर और पावर कलेर गैंग द्वारा परीक्षा केन्द्र के आसपास रहकर अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के

- आरोपी खुद गैंग से मिली भगत कर ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

युवाओं के सपनों को उड़ान देता डिजिफैस्ट ग्लोबल समिट

राजस्थान के सूचना एवं प्रोद्यौगिकी विभाग द्वारा जयपुर में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट इस मायने में महत्वपूर्ण आयोजन हो जाता है कि डिजिटल क्रांति और एआई के युग में समय के साथ चलतू हुए युवा सपनों की उड़ान को बेहतर अवसर सरकार द्वारा उपलब्ध कराये हैं। इस दौरान जहां जयपुर में बड़ा डेटा सेंटर स्थापना की राह प्रशस्त हुई है वहीं 200 करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाएं उभर कर आई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच का ही परिणाम रहा कि ग्लोबल समिट मात्र औपचारिकता बनकर रहने के स्थान पर ठोस परिणाम प्राप्त करने में सफल रहा है। युवाओं और तकनीक के प्रति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आयोजन के पहले से वे इसकी सफलता को लेकर गंभीर रहे और समय समय पर आयोजन तैयारियों की ना केवल समीक्षा की अपितु आयोजन को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन देश-दुनिया के सामने राजस्थान को आईटी सेक्टर का भी निवेश का बड़ा केन्द्र बनाने की दिशा में अग्रगामी कदम सिद्ध हुआ है साथ ही युवाओं, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप्स के लिए बेहतर अवसर सिद्ध हुआ। आयोजन के माध्यम से यह भी समझाने का प्रयास किया गया कि डिजिटल युग में डेटा संपदा का स्थान लेता जा रहा है। आज डेटा का जमाना आ गया है और डेटा विश्लेषण से भावी का निर्धारण आसानी से किया जा सकता है।

आयोजन की सफलता को इसी से आंका जा सकता है कि केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान को टेक्नोलॉजी, एआई कर बड़ा हब बनाने का रोडमेप तैयार किया है। देश के 10 लाख युवाओं को एआई स्किलिंग ट्रेनिंग देने की शुरुआत भी राजस्थान की राजधानी जयपुर से ही की गई। गूगल के साथ जो एमओयू संपन्न हुआ है उसके दूरगामी लाभ प्रदेश और प्रदेश के युवाओं, एन्टरप्रोन्योर, एमएसइएमई सहित वासियों को मिलने वाला है। एमाओयू के अनुसार गूगल की एक टीम राजस्थान में सक्रिय रहकर कार्य करेगीं। इस आयोजन का एक और बड़ा सार्थक परिणाम यह भी सामने आने वाला है कि सरकारी अधिकारियों से लेकर छात्रों, संस्थानों, स्टार्टअप्स, आदि-आदि के लिए लार्ज स्केल पर स्किलिंग प्रशिक्षण आदि की बेहतरीन विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी।

साइबर अपराधियों के लाख प्रयासों के बावजूद हौसले बुलंद है। ऐसे लिट्रेसी समय की मांग व आवश्यकता है। कहने का अर्थ यह है कि डिजिटल क्रांति और एआई दुधारी तलवार का काम करती है और इसके सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों को देखते हुए ही सरकार गंभीर प्रयास करने जा रही है। एआई-एमएल पॉलिसी निश्चित रुप से ई गवर्नेंस से लेकर रोजगार के अवसरों तक उपयोगी सिद्ध होगी।

राजस्थान के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने सही ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार एंटरप्रेन्योरशिप में एआई के उपयोग को बढ़ावा दे रही है और गुड गवर्नेंस में एआई के सटीक उपयोग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने एआई-एमएल पॉलिसी 2026, आई स्टार्ट एलएमएस, राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पोर्टल तथा राजस्थान एआई पोर्टल को लॉन्च किया है। तीन दिन चले राजस्थान डिजीफेस्ट टाई ग्लोबल समिट में निवेशक फाउंडर बैठकों, पिच सत्रों और बैठकों के माध्यम से 200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की संभावनाएं बनी। राजस्थान सरकार ने भी पहल करते हुए स्टार्टअप्स में सह-निवेश करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपए के फंड ऑफ फंड्स की घोषणा की। समिट के माध्यम से 100 से अधिक स्टार्टअप्स को मेंटरशिप कार्यक्रमों में शामिल किया गया। 8,867 से अधिक प्रतिभागियों के साथ कॉमिककॉन ने राजस्थान को रचनात्मक उद्योगों, गेमिंग और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित किया।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एआई और डिजिटल लिट्रेसी पर जोर देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थान की ही बात करें तो प्रदेश में साढे छह करोड मोबाइल उपयोगकर्ता है ओर एक मोटे अनुमान के अनुसार 81 हजार करोड़ रु. की लेनदेन प्रति माह यूपीआई प्लेटफार्म के माध्यम से हो रहा है। साइबर अपराधियों के लाख प्रयासों के बावजूद हौसले बुलंद है। ऐसे लिट्रेसी समय की मांग व आवश्यकता है। कहने का अर्थ यह है कि डिजिटल क्रांति और एआई दुधारी तलवार का काम करती है और इसके सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों को देखते हुए ही सरकार गंभीर प्रयास करने जा रही है। एआई-एमएल पॉलिसी निश्चित रुप से ई गवर्नेंस से लेकर रोजगार के अवसरों तक उपयोगी सिद्ध होगी।

आयोजन की खास बात यह है कि डिजिटल युग और एआई से जुडे सभी संभावित क्षेत्रों के विशेषज्ञों और लाभार्थियों को साझा मंच उपलब्ध कराया गया और इसका परिणाम यह रहा कि अनुभवों को साझा करने और जिज्ञासाओं के निराकरण का अवसर प्राप्त हो सका। इस तरह के आयोजनों निश्चित रुप से दीर्घकालीन परिणाम देने वाले होते हैं और भविष्य की भूमिका भी लिखते हैं। निश्चित रुप से यह आयोजन युवाओं, स्टार्ट अप्स, उद्यमियों, एसएएमई सेक्टर्स आदि के साथ ही भावी पीढी यानी कि विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध तो हुआ ही हैं क्योंकि निवेश और निर्णयों को धरातल पर आने से राजस्थान और यहां के युवाओं को सुनहरी राह मिल सकेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

सरकार की जनहितकारी सोच से 12 किमी का फासला घटकर 2 किमी हुआ

भौगोलिक दूरी कम हुई, सरकार और पब्लिक साथ कदमताल कर विकास के पथ पर अग्रसर

नवधा परदेशी

जनजाति अंचल केवल भौगोलिक इकाई नहीं होता, वह अपने भीतर संघर्ष, धैर्य और सदियों पुरानी जीवनशैली को समेटे रहता है। राजस्थान का जनजाति जिला प्रतापगढ़ भी ऐसा ही अंचल है, जहाँ पहाड़, नाले, नदी और कच्चे रास्ते लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। यहाँ विकास की राहें केवल योजनाओं से नहीं बल्कि ज़मीन पर उतरे छोटे-छोटे प्रयासों से बनती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार जनजाति क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। सरकार यह जानती है की जनजाति अंचल में विकास का अर्थ केवल इमारतें या सड़कें नहीं होता, बल्कि यह जीवन को सरल बनाने का प्रयास होता है। इसी सोच का परिणाम है माण्डवी-पारसोला रोड से सखीखेड़ा सड़क पर सूकली नदी पर निर्मित पुलिया, जो कागज़ों में भले ही एक सामान्य निर्माण कार्य प्रतीत होती हो लेकिन हकीकत में यह कई लोगों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लेकर आई है।

■ केवल किलोमीटर की नहीं, मिटी समय, श्रम और अवसरों की दूरी

प्रतापगढ़ जिले की विषम भौगोलिक संरचना वर्षों से यहाँ के निवासियों के लिए चुनौती रही है। जिले में माण्डवी पारसोला रोड़ से सखीखेड़ा सड़क पर सूकली नदी पर 4 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण किया गया है । पहले लोगों को पारसोला, साबला, डूंगरपुर या आसपुर पहुँचने के लिए 10-12 किलोमीटर का लंबा, घुमावदार और थकाने वाला मार्ग तय करना पड़ता था। यह दूरी केवल किलोमीटर की नहीं थी बल्कि समय, श्रम और अवसरों की भी दूरी थी। ठाम पंचायत गाडरियावास, केसरपुरा, विजाणिया और जवाहरनगर के गाँवों व फलों के लोगों के लिए यह पुलिया वरदान साबित हुई है। अब वही रास्ता मात्र 2 किलोमीटर में सिमट गया है। जो यात्रा पहले मजबूरी थी, अब सुविधा बन गई है।

पुलिया का प्रभाव केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। यह किसानों के लिए अपने उत्पाद को बाज़ार तक समय पर पहुँचाने का माध्यम है, विद्यार्थियों के लिए स्कूल-कॉलेज तक आसान पहुँच का रास्ता है और बीमारों के लिए अस्पताल तक शीघ्र पहुचने के लिए भी अति महत्वपूर्ण है। महिलाओं के लिए यह सुविधा सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी है तो युवाओं के लिए रोजगार और भविष्य की संभावनाओं से। यह केवल एक पुलिया की कहानी है, जनजाति क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किया गया हर एक विकास कार्य सफलता और विकास की अनोखी कहानी अपने में समेटे हुए है।

सूकली नदी पर बनी यह पुलिया उसी सोच की मिसाल है, जहाँ सरकार की संवेदनशीलता और ज़मीनी ज़रूरतें एक-दूसरे से जुड़ती हैं। यह पुलिया बताती है कि जब नीतियाँ जनजाति जीवन की धरातल की वास्तविकताओं को समझकर बनाई जाती हैं, तब ख्वाब जैसा परिवर्तन केवल साकार ही नहीं देता, दिलों में समा भी होता है। राज्य सरकार के द्वारा जनजाति क्षेत्र के लिए किए गए विकास कार्य एवं लिए गए नीतिगत जनकल्याणकारी निर्णय जनजाति अंचल में आने वाले वर्षों के लिए न केवल विकास, सुविधा और विश्वास की नींव मजबूत कर रहे हैं बल्कि समावेशी सुप्रशासन और सरकार और जन के बीच के विश्वास और वादों को निभाने की नई इबारत लिख रहे हैं जो पुल की इमारत से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

–नवधा परदेशी,
एपीआरओ, बांसवाड़ा

शैक्षणिक संस्थानों में आवारा कुत्ते बनाम आवारा मानव तंत्र

प्रो. अशोक कुमार

किसी भी शैक्षणिक संस्थान की आत्मा उसका शांत और अनुशासित वातावरण होता है। हाल के वर्षों में विश्वविद्यालयों के भीतर दो प्रकार की चुनौतियाँ उभर कर सामने आई हैं: पहली, भौतिक सुरक्षा का खतरा (जैसे आवारा कुत्तों का आतंक) और दूसरी, वैचारिक एवं व्यवस्थागत सुरक्षा का खतरा (बाहरी तत्वों का हस्तक्षेप)। जब विश्वविद्यालय प्रशासन कुत्तों के प्रबंधन के लिए समितियाँ बनाता है और कड़े नियम लागू करता है, तो वही सक्रियता उन मानवीय तत्वों के खिलाफ क्यों नहीं दिखती जो कैंपस की शांति को भंग करते हैं? यह प्रश्न केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति का है।

1. पशु कल्याण और सार्वजनिक सुरक्षा का संतुलन

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया है कि आवारा कुत्तों का प्रबंधन पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत होना चाहिए। कैंपस में कुत्तों के लिए विशेष समितियां इसलिए बनाई जाती हैं क्योंकि वे मूक प्राणी हैं, उनके व्यवहार का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता और वे रेबीज जैसी घातक बीमारियों के वाहक हो सकते हैं। प्रशासन यहाँ सार्वजनिक सुरक्षा के तर्क को प्राथमिकता देता है, जो कि सही भी है। लेकिन क्या वही सुरक्षा का तर्क तब लागू नहीं होता जब बाहरी राजनीतिक तत्व कैंपस में घुसकर छात्रों को डराते-धमकाते हैं या शैक्षणिक माहौल को दूषित करते हैं?

2. ''अवांछित मानवीय हस्तक्षेप'' की जटिलता

कुत्तों को हटाना एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन बाहरी व्यक्तियों या 'राजनीतिक तत्वों' को रोकना एक जटिल कानूनी और राजनीतिक मुद्दा बन जाता है।

संवैधानिक अधिकार बनाम संस्थान के नियम: भारत का संविधान अनुच्छेद 19 के तहत निर्बाध आवाजाही की स्वतंत्रता देता है। लेकिन शिक्षण संस्थान 'निषिद्ध क्षेत्र' की श्रेणी में आते हैं। प्रशासन के पास यह अधिकार है कि वह बिना अनुमति प्रवेश को अनाधिकार प्रवेश माने।

3. प्रोक्टोरियल बोर्ड की भूमिका: हर विश्वविद्यालय में एक शक्तिशाली प्रोक्टोरियल बोर्ड होता है। इस बोर्ड का प्राथमिक कर्तव्य अनुशासन बनाए रखना और बाहरी तत्वों की पहचान करना है। यदि गेट पर आई-कार्ड चेकिंग अनिवार्य हो और सीसीटीवी का प्रभावी उपयोग किया जाए, तो बाहरी हस्तक्षेप को शून्य किया जा । यह तर्क सटीक है कि इसके लिए किसी नए सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आवश्यकता नहीं है, बल्कि मौजूदा नियमों को लागू करने की इच्छाशक्ति चाहिए।

समस्या यहाँ आती है कि विश्वविद्यालय प्रशासन अक्सर राजनीतिक दबाव में होता है। स्थानीय नेता, छात्र संगठनों के पूर्व नेता (जो अब छात्र नहीं हैं) और अन्य बाहरी तत्व अक्सर वोट बैंक या स्थानीय प्रभाव के कारण कैंपस में पैठ बनाए रखते हैं। जब प्रशासन अपने ही बनाए नियमों को लागू करने में विफल रहता है, तो यह आवारा मानवीय तंत्र का रूप ले लेता है, जो आवारा कुत्तों से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि यह सुव्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण होता है।

4. शैक्षणिक वातावरण बनाम राजनीतिक अड्डा

एक विश्वविद्यालय का प्राथमिक उद्देश्य शोध और शिक्षण है। कैंपस केवल छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित अभयारण्य होना चाहिए। यदि आवारा कुत्तों को छात्रों की सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है, तो कैंपस में अशांति फैलाने वाले, धरना-प्रदर्शन करने वाले बाहरी तत्वों को अवांछित क्यों नहीं माना जाता?

बाहरी हस्तक्षेप न केवल पढाई को प्रभावित करता है, बल्कि यह मेधावी छात्रों के मन में असुरक्षा की भावना भी पैदा करता है। केरल और मद्रास उच्च न्यायालयों के फैसले इस बात की पुष्टि करते हैं कि शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक गतिविधियों को सीमित किया जाना चाहिए ताकि शैक्षणिक गुणवत्ता बनी रहे।

5. समाधान और मार्ग

इस समस्या के समाधान के लिए डॉग मैनेजमेंट की तर्ज पर विजिटर मैनेजमेंट की आवश्यकता है:

कठोर प्रवेश नीति: गेट पर डिजिटल आई-कार्ड चेकिंग और बायोमेट्रिक एंट्री को बढ़ावा देना।

राजनीतिक अलगाव: छात्र राजनीति और बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप के बीच एक स्पष्ट विभाजन रेखा खींचना।

जवाबदेही: यदि कैंपस में कोई अप्रिय घटना होती है, तो प्रोक्टोरियल बोर्ड और सुरक्षा प्रमुख की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

बाहरी तत्वों द्वारा कैंपस में अशांति फैलाने पर बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के कानूनी प्राथमिकी (एफआइआर) दर्ज होनी चाहिए।

'आवारा कुत्ते' केवल शारीरिक चोट पहुँचा सकते हैं, लेकिन ''आवारा मानवीय तंत्र'' एक पूरी पीढ़ी के भविष्य और संस्थान की साख को काटता है। यदि प्रशासन कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए सक्रियता दिखा सकता है, तो उसे उन तत्वों के खिलाफ भी वैसी ही जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी जो कैंपस की मर्यादा को लांघते हैं। अंततः, एक सुरक्षित कैंपस वही है जहाँ न केवल जानवरों से सुरक्षा हो, बल्कि जहाँ बाहरी अराजकता से भी पूर्ण मुक्ति मिले।

विश्वविद्यालयों को राजनीतिक अखाड़ा बनने से रोकने के लिए अब प्रशासन को अपनी प्रशासनिक इच्छाशक्ति का परिचय देना है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय एंव विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

राशिफल शुक्रवार 9 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 1:41 तक, शोभन योग सायं 4:55 तक, विष्टि करण सायं 7:45 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 1:41 तक है। भद्रा प्रातः 7:06 से सायं 7:45 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:40 तक, लाभ-अमृत 8:40 से 11:16 तक, शुभ 12:34 से 1:52 तक, 7:21 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:46

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। चलते कार्यों का विस्तार होगा।

सिंह

आर्थिक मामलों में बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक पारिवारिक खर्चों में नियंत्रण रखें।

मिथुन

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

बाप तहसील के मोटाई गांव में बिना मान्यता एक घर में चल रहा निजी स्कूल

शिकायत के बाद भी अधिकारी नहीं कर रहे कार्यवाही, ग्रामीणों में रोष

बाप, (निसं)। फलोदी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बाहर से आकर बिना मान्यता प्राप्त अवैध रूप से स्कूल खोलकर छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जब छात्र स्कूल से टीसी मांगते हैं, तो उन्हें टीसी नहीं दी जाती है, जिससे उनके भविष्य पर ग्रहण लग जाता है। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मानते हैं कि मोटाई गांव में एक घर में अवैध रूप बिना मान्यता प्राप्त से चैंपियन पब्लिक स्कूल संचालित है, लेकिन फिर भी स्कूल बंद करवाने में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बाप तहसील के मोटाई गांव में चैम्पियन पब्लिक स्कूल नाम से एक घर में अवैध रूप से स्कूल चलाया जा रहा है, जो छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जब बच्चे दूसरे स्कूल में एडमिशन लेते हैं और टीसी मांगते हैं, तो उन्हें टीसी नहीं दी जाती है, जिससे उनके भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड हो रहा है। ग्रामीणों ने इस अवैध स्कूल के बारे में कई बार शिकायत की है, लेकिन शिक्षा विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मानते हैं कि मोटाई में अवैध रूप से

■ जब छात्र स्कूल से टीसी मांगते हैं, तो उन्हें टीसी नहीं दी जाती है

चैंपियन पब्लिक स्कूल संचालित है, लेकिन फिर भी स्कूल बंद करने की जहमत नहीं उठाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार बिना मान्यता के मोटाई में चैम्पियन पब्लिक स्कूल संचालन की शिकायतें लंबे समय से की जा रही है। यह भी बताया जा रहा है कि चैम्पियन पब्लिक स्कूल संचालन कर्ता जांच या निरीक्षण करने आने वाले अधिकारियों की आंख में धूल झोंकते हुए बताता है कि वह तो कोचिंग सेंटर चला रहा है। जबकि ग्रामीणों का आरोप है कि वह बिना मान्यता स्कूल संचालित कर भोले-भाले ग्रामीणों को ठगते हुए उनके बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। शिकायत करने पर संचालक ग्रामीणों को धमकाता है।

ग्रामीण रामरतन विश्नोई सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि चैम्पियन पब्लिक स्कूल बिना मान्यता से अवैध रूप से संचालित करने की शिकायतें जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों से करते आ रहे हैं, लेकिन कार्यवाही नही की जा रही।

हिंगलाजदान चारण, सीबीईओ बाप का कहना है कि इसकी जांच कर उच्चाधिकारियों को भेज दी है। इस पर दो साल पहले एफआईआर भी दर्ज हुई थी। वह भी उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट में बता दिया है। कार्यवाही उच्चाधिकारी ही करेंगे।

पूर्णाराम, देव, प्राथमिक जिला शिक्षा अधिकारी फलोदी के अनुसार शिकायत आई है, जांच करवाएंगे। अभी मैं बाहर हूं।

रिटायर लड़ाकू विमान मिग-21 बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा

बीकानेर, (निसं)। यहां 2025 में नाल बेस से भारतीय वायुसेना से रिटायर हुआ लड़ाकू विमान मिग-21 अब स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए सेना में जाने की प्रेरणा बनेगा। इसका एयर फ्रेम श्रीडूंगरगढ़ तहसील के बिग्गाबास रामसरा गांव के कैप्टन चंद्र चौधरी राजकीय सीनियर सेकंडरी स्कूल में रखा जाएगा। प्रदेश में सैनिक स्कूल के बाद यह पहला अवसर होगा, जब एक लड़ाकू विमान का एयर फ्रेम शिक्षा विभाग के किसी सरकारी स्कूल में रखा जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने वॉर ट्रॉफी के रूप में इसकी मंजूरी दे दी है।

शहीद कैप्टन चंद्र चौधरी मेमोरियल ट्रस्ट के सीताराम सियाग ने

■ रिटायर लड़ाकू विमान मिग-21 का एयर फ्रेम बिग्गाबास के सरकारी स्कूल में रखा जाएगा

बताया कि वायु मुख्यालय ने स्कूल प्रिंसिपल को मेल करके इसकी सूचना दी है। यह एयर फ्रेम बच्चों की शिक्षा के उद्देश्य से दिया जा रहा है। बच्चे मिग-21 के 62 साल की शौर्य गाथा से परिचित हो सकेंगे। युद्धों के दौरान इस विमान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शहीद कैप्टन चंद्र चौधरी की याद में मिलने वाला यह चौथा वॉर मेमोरियल होगा। सियाग ने बताया कि इसके लिए केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के प्रयास रहे हैं। बिग्गाबास रामसरा के सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल के पास मंगलवार को एयर हैडक्वार्टर से मेल आया था, जिसकी कॉपी उन्होंने मुझे दी है। मिग-21 के आने से बच्चों को वायु सेना के प्रति रुझान बढ़ेगा।

हेरिटेज वॉक से आज होगी अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव की शुरुआत

■ तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव आज से शुरू, विभिन्न लोक वाद्यों, लोक कलाओं और लोक गीत व संगीत की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जायेगी। इस दौरान लोक कलाकार, रोबीले और सजे-धजे ऊंट भी साथ रहेंगे

बीकानेर, (कासं)। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 08 बजे हेरिटेज वॉक से होगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 11 जनवरी तक आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव की शुरूआत हेरिटेज वॉक से होगी। जो लक्ष्मीनाथ मंदिर से शुरू होकर रामपुरिया हवेली तक जायेगी। जिला कलेक्टर ने बताया कि सुबह 08 से 10 बजे तक होने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न लोक वाद्यों, लोक कलाओं और लोक गीत व संगीत की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जायेगी। इस दौरान लोक कलाकार, रोबीले और सजे-धजे ऊंट भी साथ रहेंगे। शहर की ऐतिहासिक रम्मत का प्रदर्शन, भुजिया, घेवर और जलेबी बनाने का लाइव प्रदर्शन किया जायेगा। उत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिला कलेक्टर ने ऊंट उत्सव में शामिल होने की अपील सभी बीकानेर वासियों से की है। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने बताया कि हेरिटेज वॉक के बाद सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जिला उद्योग संघ की ओर से 'मान मनुहार' कार्यक्रम के तहत ट्रेडिशनल बीकानेरी फूड फेस्टिवल का आयोजन रानी बाजार स्थित जिला उद्योग संघ में किया जायेगा।

राठौड़ ने बताया कि दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक धरणीधर ग्राऊंड में प्राऊड एंड प्राइड ऑफ बीकानेर कार्यक्रम के तहत मिस्टर बीकाणा, मिस मरवण शो और ढोला मारू प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होगा। उसके बाद धरणीधर ग्राऊंड पर ही शाम 7 से रात 10 बजे तक बीकाणा री आवाज (वॉयस ऑफ बीकानेर) कार्यक्रम के अंतर्गत लोकल ग्रुप म्यूजिकल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें विजेता टीम का प्रदर्शन अगले दिन डॉ करणी सिंह स्टेडियम में भी करवाया जायेगा।

संयुक्त निदेशक राठौड़ ने बताया कि 10 जनवरी को सुबह 08 से 9 बजे तक 'करें योग रहें निरोग' कार्यक्रम के तहत सांसोलाव तालाब किनारे योगा प्रैक्टिस करवाई जायेगी। सुबह 09 से दोपहर ढाई बजे तक राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी) में 'ऊंटां री बातां' कार्यक्रम के तहत ऊंट नृत्य, ऊंट फर कटिंग, ऊंट साज-सज्जा, ऊंट दौड़ और घुड़दौड़ का आयोजन किया जायेगा।

इसी दौरान सुबह 11 से शाम 05 बजे तक डॉ करणी सिंह स्टेडियम में 'ऊंटां रो इतिहास-विरासत के साथ' के अंतर्गत कला प्रदर्शनी का आयोजन राजस्थान राज्य अभिलेखागार की ओर से किया जायेगा। शाम 07 से रात 10 बजे तक डॉ करणी सिंह स्टेडियम में बेस्ट ऑफ राजस्थान फोक नाइट कार्यक्रम के तहत लोकल और राजस्थानी कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति दी जायेगी। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दौरान वन विभाग के सहयोग से बर्ड फेस्टिवल का आयोजन जोड़बीड़ स्थित लव कुश वाटिका और उससे थोड़ा आगे गिद्ध संरक्षण क्षेत्र में 10 जनवरी को सुबह 08 से शाम 5 बजे तक किया जायेगा।

23 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार

सूरतगढ़, (कासं)। राजियासर पुलिस ने पुलिस चौकी बिरधवाल के पास से एक युवक को 23 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।

राजियासर पुलिस थाना टीम ने गुरूवार को गश्त के दौरान एनएच-62 पर पुलिस चौकी बिरधवाल के पास से एक युवक को 23 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से मादक पदार्थ के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रघुवीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से बचाना और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना है। इसी अभियान के तहत राजियासर पुलिस निरीक्षक कलावती चौधरी के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष (28) पुत्र ओमप्रकाश, निवासी वार्ड नंबर 3, सूरतगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 और 25 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच जैतसर सीआई गोविंद राम को सौंपी गई है। इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक कलावती चौधरी के साथ कांस्टेबल रमेश कुमार, देवीलाल, हरफूल, कुलवीर और गजराज सिंह शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां लगातार जारी रहेगी।

प्रयागराज माघ मेले में शिविर शुरू

बीकानेर, (कासं)। प्रयागराज में माघ मेला शुरू हो चुका है और लगभग डेढ़ दिनों तक चलने वाला यह मेला मिनी कुम्भ से कम नहीं है। इस पवित्र संगम स्नान के अवसर पर बीकानेर से रामझरोखा कैलाशधाम आश्रम द्वारा प्रयागराज में महात्यागी नगर खालसा (बीकानेर वाले) शुरू किया गया है। राष्ट्रीय संत सरजूदास महाराज ने बताया कि परम पूज्य सियाराम महाराज की कृपा से पूज्य गुरूदेव रामदास महाराज के नेतृत्व में यह खालसा प्रयागराज के रामनन्द 'ब' मार्ग, अक्षय वट चौराहा माघ मेला स्थल पर शुरू किया गया है। श्री प्रयागराज महाराज, महात्मादास महाराज सहित अनेक संतों ने मंगलवार को ध्वज पूजन कर खालसे का शुभारंभ किया। एक फरवरी तक लगने वाले इस शिविर में विशेष रूप से साधु-संतों व श्रद्धालुओं के लिए निवास, भोजन व अल्पाहार की सुविधा रहेगी। बीकानेर से श्रद्धालुओं की एक ग्रुप भी शिविर में सेवाएं प्रदान कर रहा है। खालसा स्थल पर रोजाना सुबह माघ माह की कथा, हवन, पूजन आदि अनुष्ठान होंगे तथा शाम को संकीर्तन का आयोजन होगा। पौष पूर्णिमा से माघ स्नान प्रारंभ हो चुका है।

सार-समाचार

धोखाधड़ी के आरोपी गिरफ्तार

अनूपगढ़, (कासं)। पुलिस ने रूपए दुगने करने का लालच देकर एक पाठी से 1 लाख 30 हजार रूपए की ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अनूपगढ़ पुलिस थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि परिवादी शिंगारा सिंह पुत्र काला सिंह, निवासी 7 एफडीएम सूरतगढ़ ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया था। शिंगारा सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि कुछ आरोपियों ने उसे रूपए दोगुने करने का झांसा देकर 1 लाख 30 हजार रूपए ठग लिए। पीड़ित ने आरोपियों को 30 हजार रूपए ऑनलाइन माध्यम से और 1 लाख रूपए नकद दिए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच एएसआई होशियार सिंह को सौंपी। जांच के दौरान पुलिस ने राजू पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी चक 6 केएएम खाल, अनूपगढ़, और गुरप्रीत सिंह उर्फ पप्पू पुत्र दर्शन सिंह, निवासी चक 4 केएएम खाल, अनूपगढ़ को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एएसआई होशियार सिंह ने बताया कि इस मामले में अभी कुछ और आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है। उन्होंने आशंका जताई कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ठगी के और मामलों का भी खुलासा हो सकता है।

बारिश से फसलें लहलहाई

जसरासर, (कासं)। जसरासर तहसील के आसपास के क्षेत्रों में हाल ही में हुई बारिश का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खेतों में सरसों और गेहूं की फसलें लहलहाने लगी हैं, जिससे किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। इस बरसात से किसानों को बड़ी राहत मिली है। किसानों का कहना है कि सर्दी के मौसम में हुई यह बारिश फसलों की बढ़वार के लिए बेहद अनुकूल साबित हुई है। इससे फसलों का उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद जगी है। विशेष रूप से, इस बारिश से सरसों, गेहूं और प्याज की फसलों को अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। खेतों की रौनक बढ़ने से किसान उत्साहित हैं और अच्छी पैदावार की उम्मीद कर रहे हैं। कुल मिलाकर, समय पर हुई बारिश और कोहरे ने किसानों की चिंताओं को कम किया है और आने वाले समय में बेहतर कृषि उत्पादन की उम्मीदों को मजबूत किया है।

शहीदों के सम्मान में साइकिल यात्रा

बीकानेर, (कासं)। उत्तरप्रदेश के देवरिया निवासी अभिषेक शहीदों के सम्मान और उनके परिजनों को आर्थिक संबल दिलाने के लिए देशभर में साइकिल यात्रा पर निकले हैं। वे 31 राज्यों में करीब 47 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी यात्रा की शुरुआत उन्होंने 19 दिसंबर 2024 को देवरिया से की थी। अब तक अभिषेक लगभग 19,870 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं। अपनी यात्रा के दौरान वे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और पंजाब होते हुए राजस्थान के बीकानेर जिले में पहुंचे हैं। रास्ते में वे शहीद सैनिकों के बलिदान को याद दिलाते हुए आमजन को उनके परिवारों की सहायता के लिए जागरूक कर रहे हैं। इस साइकिल यात्रा की सबसे खास बात यह है कि अभिषेक बिना किसी आर्थिक संसाधन के यह सफर कर रहे हैं। भोजन, ठहराव और अन्य जरूरतों के लिए उन्हें आम लोगों का सहयोग मिल रहा है।

आरएलपी पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटी

■ नोखा में कार्यकर्ता सम्मेलन, सभी वार्डों में उम्मीदवार उतारने की बात कही

नोखा, (कासं)। आगामी पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनावों की तैयारियों को लेकर नोखा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) की बैठक और कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नोखा क्षेत्र से बड़ी संख्या में आरएलपी कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन में बीकानेर जिला प्रभारी दानाराम घिंटाला, पूर्व सरपंच अक्कासर प्रभुराम गोदारा, विजयपाल बेनीवाल, डॉ. विवेक माचरा, जयनारायण भादू और कालूराम सियाग सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला प्रभारी दानाराम घिंटाला ने संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा वर्तमान में बूथ लेवल-2 कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत कार्यकर्ताओं को जोड़कर बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त किया जा रहा है।

घिंटाला ने कहा कि यदि बूथ स्तर मजबूत होगा तो इसका सीधा लाभ पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में मिलेगा। उन्होंने संगठन में युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर डॉ. विवेक माचरा ने कहा कि बीकानेर जिले की पंचायत समितियों व जिला परिषद में अधिकतम प्रतिनिधि जिताने के लिए अभी से पूरी ताकत के साथ जुटना होगा ताकि प्रधान और जिला प्रमुख के चयन में पार्टी निर्णायक भूमिका निभा सके। विजयपाल बेनीवाल ने सांसद हनुमान बेनीवाल के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उन्हें मजबूत किया जायेगा तो संगठन और क्षेत्र के सभी कार्य स्वतः सशक्त होंगे। नोखा ब्लॉक अध्यक्ष तुलसीराम डूडी ने कहा कि आगामी पंचायती राज चुनाव आरएलपी पूरी मजबूती से लड़ेगी।

उन्होंने बताया कि नोखा विधानसभा क्षेत्र की तीनों पंचायत समितियों के सभी वार्डों पर पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी।

नापासर में पानी की लाइन टूटी, रिसाव जारी

नापासर, (कासं)। नापासर में भैरूनाथ मंदिर की टंकी से मेघवाल मोहल्ले की ओर जा रही 6 इंची जलदाय लाइन टूट गई। शिविर लाइन डाल रहे ठेकेदार की जेसीबी ने पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

दुकानदार द्वारका आसोपा ने बताया कि पाइप टूटते ही मौके पर पानी भर गया। जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल पानी की आपूर्ति बंद कर दी और लाइन को दुरूस्त किया लेकिन अभी भी पाइप से पानी का रिसाव जारी है। सिविल लाइन के लिए खोदा गया गहरा गड्ढा और उसकी मिट्टी सड़क पर फैलने से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गया है। इसी अव्यवस्था के कारण गुरूवार सुबह सोलर प्लांट की ओर जा रही एक हाइड्रोलिक मशीन फिसलकर बिजली के पोल से टकरा गई। इस घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/5093 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 7-1-2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 7 ई छोटी मुरब्बा न. 16 के किला न. 09, 10 में भूखण्ड संख्या 44 माप 29'-3'' गुणा 47'-0'' फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री रघुवीर वर्मा पुत्र श्री रामेश्वर लाल निवासी मकान नम्बर 32, श्रीराम कॉलोनी चक 5 ई छोटी, तहसील व जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा न. 17 (नियमन शाखा) में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री रघुवीर वर्मा पुत्र श्री रामेश्वर लाल निवासी मकान नम्बर 32, श्रीराम कॉलोनी चक 5 ई छोटी, तहसील व जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 7 ई छोटी मुरब्बा न. 16 के किला न. 09,10 में भूखण्ड संख्या 44 का माप 29'-3'' गुणा 47'-0'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

-सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

उत्तर पश्चिम रेलवे — शुद्धि पत्र

ई-निविदा नोटिस संख्या एस एण्ड टी प्रोजेक्ट-जेपी-2025-26-04 दिनांक 02.01.2026 कार्य का नाम : उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल में एलटीई/यूएचएफ और कवच कार्य के सम्बन्ध में लेटीस टावरों को लगाने का प्रावधान।
1. "प्रीबिड मीटिंग की तारीख को 14.01.2026 की जगह 13.01.2026 कर दी गई है।" 2. ई-टेण्डर नोटिस सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट- जेपी-2025-26-04 दिनांक 02.01.2026 के विज्ञापन प्रकाशन में नोटिस बोर्ड की लोकेशन उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/जयपुर ऑफिस रहेगी। 3. निविदा सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट- जयपुर-2025-26-04 पढ़ा जाए। 4. ई-टेण्डर नोटिस में बाकी शर्तें यथावत रहेगी।

48-DR/26 उप.मु.सिंग एवं दूर सं. इंजी./परियोजना/II, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा संख्या 27-TRD-BKN-E-Tender-2025-26 में प्रथम संशोधन सूचना

ई-निविदा संख्या 27-TRD-BKN-Tender-2025-26 जो कि दिनांक 20.01.2026 को खुलेगी, में similar work के परिभाषा में प्रधान कार्यालय के पत्र सं. NWR-HQ0Elect(TR)/22/2020 Pt-2 दिनांक 05.12.2025 के अनुसार संशोधन किया गया है। निविदा प्रपत्र इसके अनुसार अपडेट किया गया है। अन्य सभी नियम व शर्तें यथावत रहेंगी।

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/टीआरडी एवं जीएसयू, उपरे, बीकानेर
35-DR/26

RIICO GROW WITH RAJASTHAN | राजस्थान सरकार का उपक्रम | RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक विकास के खुल रहे नये द्वार आप भी बनें भागीदार

सरल ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

64 कुल औद्योगिक क्षेत्र | 299 कुल भूखण्ड | 290 औद्योगिक भूखण्ड | 09 लॉजिस्टिक भूखण्ड

उपरोक्त औद्योगिक क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लागू नहीं है

ईएमडी — प्रारम्भ तिथि: 09 जनवरी, 2026 (प्रातः 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 23 जनवरी, 2026 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथि: 27 जनवरी, 2026 (प्रातः 10:00 बजे) — अंतिम तिथि: 29 जनवरी, 2026 (सायं 05:00 बजे)

30	आबू रोड़	03	चूरू	33	नागौर	08	उदयपुर
25	अजमेर	08	बीकानेर	07	पाली	03	जयपुर (दक्षिण)
05	अलवर	14	श्रीगंगानगर	24	झालावाड़	02	जयपुर (उत्तर)
08	भिवाड़ी-I	16	किशनगढ़	01	जालोर	25	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
19	भिवाड़ी-II	13	भीलवाड़ा	13	राजसमंद	02	जोधपुर
07	बोरानाडा	01	जयपुर (ग्रामीण)	20	कोटा	03	सवाईमाधोपुर
05	घिलोठ	01	सीकर	03	नीमराना		

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
रीको की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ
*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राज.संवाद/सी/25/17325

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in
आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें
https://riico.rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या** : एस.एण्ड.टी/बी.के.एन-25-26-31 **कार्य का नाम व स्थान** : बीकानेर मंडल के DSTE/BKN के सेक्शन में विभिन्न सिगलिंग उपकरणों की सुरक्षा और प्रतिस्थापन का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य** :18066389.12 **बिड सिक्यूरिटि** : 240300.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : 30.01.26 को 15.00 बजे तक **वेबसाईट जहां निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है** : www.ireps.gov.in
37-DR/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

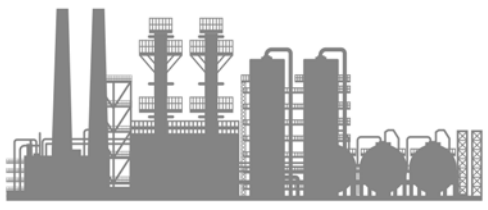

मंडल रेल प्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या** : एस.एण्ड.टी/बी.के.एन-25-26-32 **कार्य का नाम व स्थान** : बीकानेर मंडल के ADSTE/HMH के सेक्शन में विभिन्न सिगलिंग उपकरणों की सुरक्षा और प्रतिस्थापन का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य** :45990497.38 **बिड सिक्यूरिटि** : 380000.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : 30.01.26 को 15.00 बजे तक **वेबसाईट जहां निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है** : www.ireps.gov.in
38-DR/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कार्यालय नगरपालिका मंडल सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक/भूमि/भूउप/2026/1766-68 दिनांक : 07.01.2026
आपत्ति सूचना

हर आम व खास एवं हितबद्ध रखने वाले हर शख्स को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री जीत सिंह निवासी वार्ड नंबर 31, सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर में कस्बा सूरतगढ़ के खसरा नंबर 328/1 व खसरा नंबर 328/2 मे साईज 15450 वर्गफुट यानि 1435.32 वर्गमीटर में स्थित का आवासीय से मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। मास्टर प्लान में आवेदित भूमि व्यवसायिक प्रयोजनार्थ आरक्षित है। अतः उक्त स्थल का मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह शख्स अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर पालिका कार्यालय में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। मियाद गुजरने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

- (पूजा शर्मा), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका सूरतगढ़

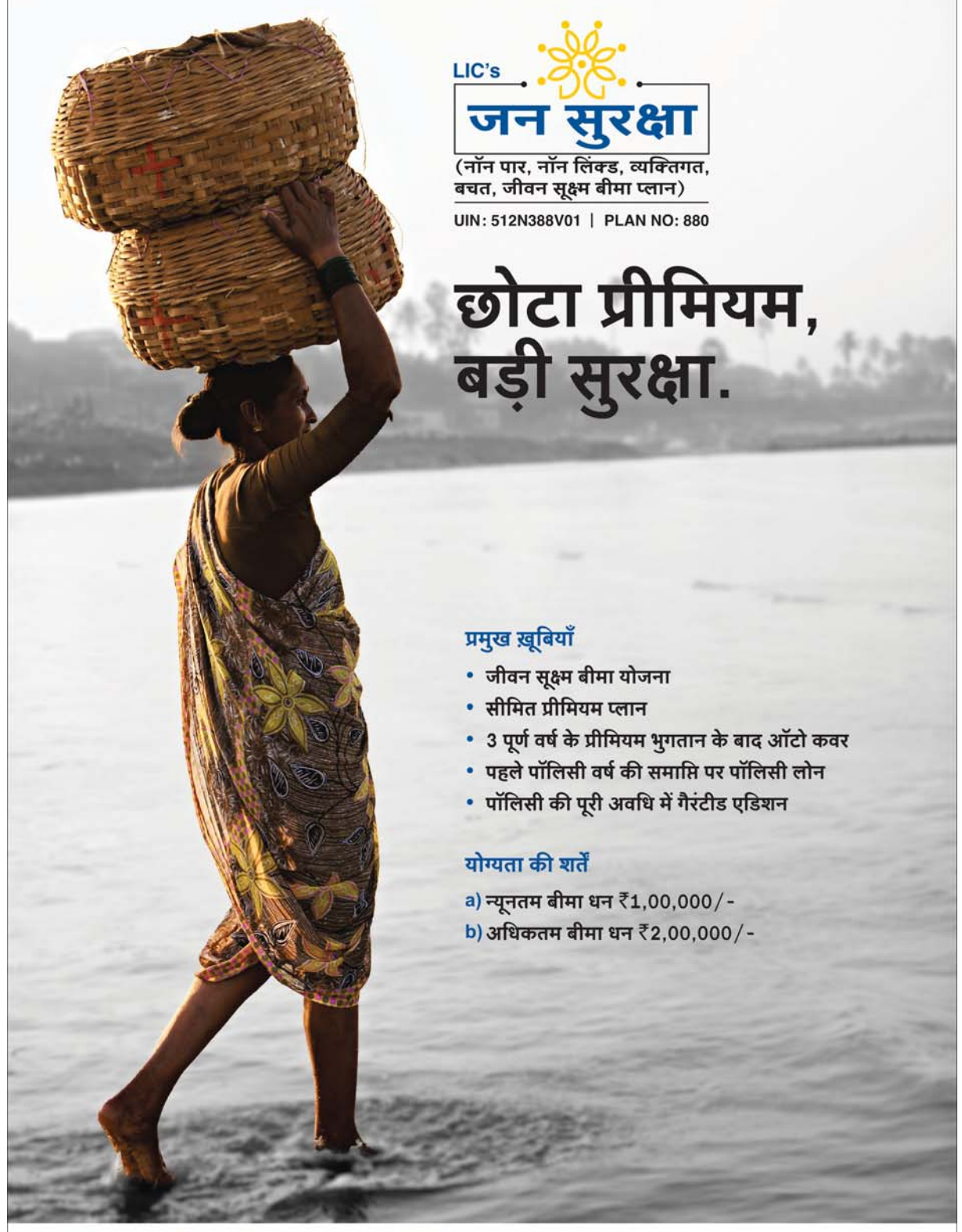

दौसा जिला चिकित्सालय के शौचालय में युवक ने आत्महत्या की

पीएमओ आरके मीणा ने बताया कि यह युवक अस्पताल में भर्ती नहीं था

- सर्जिकल वार्ड में स्थित महिला शौचालय में युवक ने खिड़की से रुमाल बांधकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली
- चिकित्सालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुये हैं, दर्जनों सुरक्षाकर्मी भी तैनात कर रखे हैं, इसके बावजूद युवक रात्रि में सर्जिकल वार्ड में पहुंच गया

दौसा, (निसं)। श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय के सर्जिकल वार्ड में स्थित महिला शौचालय में गुरुवार को एक युवक ने खिड़की के रुमाल बांध कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इधर उक्त घटना के बाद जिला चिकित्सालय में हड़कम्प मच गया तथा तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा शौचालय का गेट तोड़कर शव बरामद किया, शव का पोस्टमार्डम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। इधर कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में मॉर्निंग स्टाफ ड्यूटी के लिए सर्जिकल वार्ड में पहुचे, स्टाफ ने देखा कि महिला शौचालय का गेट अंदर से बंद है। गेट खुलवाने का प्रयास किया गया लेकिन कोई आवाज नहीं आने पर परिसर में स्थित पुलिस चौकी में सूचना दी गई।

सूचना मिलने के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा गेट खुलवाने का प्रयास किया गया। काफी देर तक गेट नहीं खुलने पर पुलिस ने वीडियोग्राफी करते हुये शौचालय का गेट तोड़ा तो अन्दर एक युवक की लाश लटकी हुई थी। युवक ने शौचालय की खिड़की के रुमाल बांध कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। पुलिस ने लाश को नीचे उतारा तथा मोर्चरी पहुंचाया तथा मृतक की पहचान ढाणी बिन्यावाला कालीखाड निवासी रामावतार पुत्र जगदीश मीणा के रुप मे हुई। पुलिस ने इसकी सूचना तत्काल परिजनों को दी। परिजनों के पहुंचने के बाद शव की शिनाख्त कराई गई। शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्डम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

चिकित्सालय की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल:- चिकित्सालय परिसर में लाखों रुपये के सीसीटीवी कैमरे लगे हुये हैं। साथ ही दर्जनों सुरक्षाकर्मी भी तैनात कर रखे हैं, बावजूद इसके युवक सभी को गच्चा देकर रात्रि में सर्जिकल वार्ड में पहुंच गया। इधर अधिकांश सीसीटीवी कैमरे बंद होने के कारण कोतवाली पुलिस को जांच में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालांकि प्रथमदृष्टया उक्त प्रकरण आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, बावजूद इसके कोतवाली पुलिस हर तरह से जांच में जुटी हुई है।

पीएमओ आरके मीणा ने कहा कि मुझे तो सुबह सर्जिकल वार्ड के प्रभारी दिनेश बैरवा ने जानकारी दी कि महिला शौचालय में एक अज्ञात व्यक्ति फंदे पर लटका हुआ है। हमने सम्पूर्ण जानकारी लेने के बाद जानकारी मिली कि ये हमारे यहां भर्ती नहीं था। अंजान व्यक्ति अंदर कैसे प्रवेश कर गया ये जांच का विषय है जांच कराई जा रही है। उन्होने बताया कि सीसीटीवी चालू है कुछेक खराब है, जिन्हे दुरुस्त कराये जाने के लिए पूर्व में निर्देश दिये जा चुके है। सुरक्षा में चुक तो हुई है जांच कराई जायेगी।

अमित शाह और ओम बिरला आज जोधपुर आएंगे

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को जोधपुर आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह शुक्रवार, 9 जनवरी को रात्रि 10.25 बजे जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेंगे। इसके पश्चात रात्रि 10.40 बजे वे ऑफिसर्स मेस, बीएसएफ कैंप पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। शनिवार, 10 जनवरी को प्रात: 11.25 बजे अमित शाह बीएसएफ कैंप से प्रस्थान कर पोलिटेक्निक कॉलेज मैदान पहुंचेंगे। यहां प्रात: 11.30 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत शाह दोपहर 1.15 बजे पोलिटेक्निक कॉलेज मैदान से बीएसएफ कैंप पहुंचेंगे, जहां 1.15 बजे से 2 बजे तक उनका कार्यक्रम आरक्षित रहेगा। इसके बाद वे दोपहर 2.15 बजे जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचकर 2.20 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शुक्रवार को जोधपुर के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ओम बिरला शुक्रवार, 9 जनवरी को दोपहर 12 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12.10 बजे वे जोधपुर सर्किट हाउस पहुंचकर अल्प विश्राम करेंगे। वे दोपहर 12.45 बजे पॉलिटेक्निक ग्राउंड स्थित मारवाड़ कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत रात्रि 8.30 बजे सर्किट हाउस पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। शनिवार, 10 जनवरी को प्रात: 10.30 बजे ओम बिरला पुन: पॉलिटेक्निक ग्राउंड स्थित मारवाड़ कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर 1.35 बजे सर्किट हाउस जोधपुर पहुंचकर विश्राम करेंगे। तत्पश्चात रात्रि 8.15 बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर रात्रि 8.30 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

युवती ने दो युवकों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया

चार-पांच अन्य लोगों पर भी सहयोग का आरोप, पुलिस ने युवती का मेडिकल कराया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में गत दिनों एक युवक के साथ बुरी तरह मारपीट करने और नाक काटने के मामले में पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। युवक पर आरोप था कि वह नजदीक के गांव की युवती को भगा ले गया था। युवती ने अब युवक और उसके दोस्त पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में चार-पांच अन्य लोगों पर भी सहयोग का आरोप लगाते हुए युवती ने रिपोर्ट दी है। लूणी थाने में यह प्रकरण अब दर्ज हुआ है। इससे पहले जिस युवक की नाक काटी गई, उसकी तरफ से युवती के परिजन के खिलाफ रिपोर्ट दी गई थी। इधर पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है।

पुलिस ने बताया कि लूणी क्षेत्र के दिनेश और उसके दोस्त गोविंद के खिलाफ पीड़िता ने रिपोर्ट दी है। वह गत दिनों दिनेश के साथ घर से चली गई थी। इस बारे में युवती के परिजन की तरफ से पहले लूणी थाने में गुमशुदगी दर्ज करायी गई थी। मगर बाद में परिवार के दबाव के चलते उसने युवती को वापिस उसके गांव में छोड़ दिया था। एक दिन जब दिनेश अपनी एसयूवी लेकर गांव पहुंचा तब युवती के परिजन ने मिलकर जानलेवा हमला किया। जिससे दिनेश के पैर फ्रेक्चर होने के साथ उसकी नाक काट दी गई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए युवती के तीन रिश्तेदारों को भी गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने बताया कि भगवईया युवती ने अब दिनेश और उसके दोस्त गोविंद पर गैंगरेप किए जाने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में युवती ने चार-पांच अन्य लोगों पर भी सहयोग का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्रकरण की जांच में आज मौका मुआयना किया है। युवती की तरफ से बुधवार को लूणी थाने में नामजद रिपोर्ट दी गई। जांच एसीपी आनंद सिंह राजपुरोहित की तरफ से की जा रही है।

भ्रूण लिंग जांच में लिप्त महिला चिकित्सक व दलाल गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की पीसीपीएनडीटी टीम ने गुरुवार को उदयपुर में एक सफल डिकॉय ऑपरेशन अंजाम देकर भ्रूण लिंग निर्धारण के अवैध धंधे में लिप्त एक महिला चिकित्सक और महिला दलाल को गिरफ्तार किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के एमडी डॉ. अमित यादव के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में सेंटर से आवश्यक दस्तावेज भी सीज किए गए हैं, जबकि अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच पुलिस द्वारा जारी है।

एएसपी डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि उदयपुर जिले में एक दलाल गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड सेंटर में ले जाकर भ्रूण लिंग परीक्षण करवाती है। इस पर टीम ने रैकी कर पाया कि सूचना सही थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश निवासी और हाल में उदयपुर में रह रही दलाल पूजा सागर से संपर्क किया गया।

डिकॉय गर्भवती महिला के माध्यम से दलाल से 35,000 रुपए लिए गए और उसे अमर आशीष हॉस्पिटल एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर ले जाया गया। इस दौरान दलाल और गर्भवती महिला ने टीम को बताया कि सेंटर की संचालिका डॉ. नीना सक्सेना ने खुद के हिस्से के 30,000 रुपए लिए और कहा कि पहले पैसे दो, फिर नतीजा बताऊंगी। पैसे देने के बाद डॉ. नीना ने कोख में बेटा होने की पुष्टि की। इसके बाद डिकॉय महिला ने बाहर आकर टीम को इशारा किया, जिस पर टीम ने मौके पर पहुँचकर दलाल पूजा सागर और संचालिका डॉ. नीना सक्सेना (60) को हिरासत में लिया। इस कार्रवाई के बाद भ्रूण लिंग निर्धारण के अवैध धंधे में लिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया। वरिष्ठ आईएएस और एनएचएम एमडी डॉ. अमित यादव ने कहा कि वे लिंग चयन की बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार कार्रवाई करेंगे। पीसीपीएनडीटी टीम ने स्पष्ट किया कि इस तरह के डिकॉय ऑपरेशन नियमित रूप से किए जा रहे हैं ताकि अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण के मामलोंमें लगे लोगों पर कानूनी शिकंजा कसा जा सके।

दो हजार के नकली नोटों के साथ युवक गिरफ्तार

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाना पुलिस ने 12 हजार रुपए की नकली करेंसी के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी उपखंड के गांव श्योपुरा का निवासी है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना के सब इंस्पेक्टर नगेंद्र सिंह ने गुरुवार को बताया कि गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहा है। इस पर कॉन्स्टेबल रामकुमार, नटवर सिंह और महेश यादव के साथ वे सब-जेल के पीछे चूना रोड पर पहुंचे। पुलिस टीम ने बताए गए हुलिए के आधार पर एक युवक को खड़ा देखा। पुलिस वाहन रुकते ही युवक ने भागने की कोशिश की, जिसे जाप्ते की मदद से पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से 500 रुपए के 24 नकली नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 12 हजार रुपए थी।

पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान दीपक (23) पुत्र बुधराम मेघवाल, निवासी श्योपुरा, पुलिस थाना सूरतगढ़ सदर बताई। एसआई सिंह ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में युवक ने स्वीकार किया है कि वह इन नोटों को बाजार में चलाने की फिराक में था। आरोपी दीपक के खिलाफ नोडल थाना श्रीगंगानगर की कोतवाली में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच सिटी थाना के उप निरीक्षक माणकलाल को सौंपी गई है। एसआई माणकलाल ने बताया कि आरोपी को श्रीगंगानगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत कर रिमांड पर लिया जाएगा।

10 विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 के तहत जूलॉजी, म्यूजिक (वोकल), संस्कृत, उर्दू, लॉ, केमिस्ट्री, बॉटनी, इकोनॉमिक्स, होम साइंस तथा ईएएफएम विषय की मॉडल उतरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षा का आयोजन 11 से 16 दिसंबर 2025 तक किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उतरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 10 से 12 जनवरी को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

स्मैक व शराब सहित दो महिलायें गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी व वृत्ताधिकारी आशीष कुमार प्रजापत के सुपरविजन में डिग्गी थानाधिकारी गोपाल चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम एवं डीएसटी टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुये गुरूवार को सांसी बस्ती कस्बा डिग्गी में दबिश देकर आरोपिया मनोहरी देवी पत्नी मुकेश सांसी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 5.82 ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपिया को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार अन्य टीम ने दबिश देकर आरोपिया यशोदा पत्नी किशन सांसी निवासी सांसी बस्ती डिग्गी के कब्जे से दो लीटर अवैध हथकड शराब जब्त कर आरोपिया को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम मे प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी

इसके अलावा अति. पुलिस अधीक्षक टोंक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में पीपलू थानाधिकारी राजकुमार व डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा थाना पीपलू में दर्ज हत्या के मामले में दर्ज प्रकरण के गिरोह द्वारा अपराध में प्रयुक्त दो वाहनों को आरोपी सोयब खान व अमन शर्मा की निशानदेही से जब्त किया गया है। प्रकरण में शेष आरोपियों की तलाश व प्रकरण में अनुसंधान जारी है। थाना पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

फायरिंग में पिता और पुत्र बाल-बाल बचे

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े फायरिंग कर दी, हमले में पिता-पुत्र बाल-बाल बच गये। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरु की है।

मामला कैथून थाना इलाके के खेड़ा रामपुर चौराहे के पास कैथून-सांगोद मार्ग का है, बाइक सवार बदमाश पिता-पुत्र पर फायरिंग कर मौके से फरार हो गये, गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। कैथून थाना इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, फायरिंग की सूचना पाकर कैथून पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल का मुआयना किया। कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि कैथून निवासी अब्दुल कादिर प्रोपर्टी डीलर है जिसने कोटा-कैथून रोड़ पर प्लानिंग काट रखी है। थानाधिकारी ने बताया कि खेड़ा रामपुर चौराहे पर सकतपुरा के निवासी बाइक सवार बदमाशों ने पिता-पुत्र पर दूरी से फायर किये, फायरिंग के पीछे पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश की जा रही हैं।

कोटा में बीस लाख का डोडा-चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस टीम ने मौके से घटना में प्रयुक्त कार भी जब्त की

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण की कनवास पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ नाकाबंदी के दौरान कार से अवैध मादक पदार्थ 116 किलो 580 ग्राम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 20 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस टीम ने मौके से घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीना के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में कनवास थाने के उपनिरीक्षक थाना प्रभारी सुरेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने कोटा झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग कनवास तिराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की, चैकिंग के दौरान एक कार को रोककर तलाशी ली तो कार में तलाशी के दौरान 20 लाख का अवैध मादक पदार्थ 116 किलो 580 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए जिला जोधपुर के सियागो फंगालो का बास खोखरिया निवासी अर्जुजराम उर्फ अर्जुन (33) एवं जिला नागौर के गवालू निवासी धन्नाराम (28) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान किया जा रहा है।

कोटा ग्रामीण की कनवास पुलिस टीम ने डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

बड़ौदामेव क्षेत्र में प्राइवेट बस में तोड़फोड़, परिचालक को पीटा

एक दर्जन से अधिक लोगों ने बस को जबरन रुकवाकर कंडक्टर के साथ मारपीट कर दी

- घायल के परिजनों की तरफ से थाने में कोई शिकायत नहीं दी गई है

अलवर, (निसं)। अलवर के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के गंडूरा गांव में एक निजी बस के कंडक्टर के साथ बेरहमी से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने, बस में तोडफ़ोड़ करने, लूटपाट कर मोबाइल व पैसे छीनने का मामला सामने आया है।

घायल के पिता गीलाराम व बस के चालक ने बताया कि बुधवार देर शाम बस अलवर से लक्ष्मणगढ़ के लिए रवाना हुई थी। जब बस गंडूरा गांव पहुंची, तभी एक दर्जन से अधिक लोग वहां ग्रुप बनाकर खड़े थे। बस को जबरन रुकवाया और बस के कंडक्टर देवेंद्र कुमार (32) पुत्र गीलाराम जाटव के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। आरोपियों ने बस के शीशे भी तोड़ दिए और मोबाइल व पैसे छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना बस चालक ने घायल कंडक्टर के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल देवेंद्र को उपचार के लिए बड़ौदामेव के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जिसके बाद परिजन घायल को लेकर जिला अस्पताल रवाना हो गए। परिजनों ने बताया कि दो-तीन दिन पहले गांव की एक महिला बड़ौदामेव से गंडूरा जाने के लिए बस में सवार हुई थी। उस दौरान कंडक्टर ने महिला से पीछे बैठने के लिए कहा था, जिससे महिला नाराज हो गई थी और कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर महिला ने बुधवार को गांव के दर्जनों लोगों को इक्ट्ठा कर कंडेक्टर पर हमला करवा दिया। फिलहाल घायल के परिजनों की तरफ से थाने में कोई शिकायत नहीं दी गई है। पिता का कहना है कि बेटे के सही होने पर थाने में शिकायत देंगे।

युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में बुधवार रात्रि को एक युवक शराब के ठेके के समीप अचेतावस्था में मिला, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार आरकेपुरम निवासी भुपेन्द्र यादव (30) जो प्राईवेट स्कूल में कार्य करता है। थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि मामले में सामने आया कि 30 वर्षीय एक युवक इलाके में एक शराब के ठेके के समीप अचेतावस्था में मिला था, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया, जिसकी पहचान आरकेपुरम निवासी भुपेन्द्र यादव के रूप में हुई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- युवक शराब के ठेके के समीप अचेतावस्था में मिला था

अजमेर के हाथीखेड़ा गांव में जमीन विवाद में परिवार पर हमला

परिवार के एक दर्जन से अधिक लोगों सहित महिलाएं और बच्चे भी घायल

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के हाथीखेड़ा गांव में जमीनी विवाद ने गुरुवार को हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि 10 से 12 बदमाशों के समूह ने एक परिवार पर कुल्हाड़ी, लाठी-डंडों और पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिलाएं और बच्चे भी चपेट में आ गए। परिवार के करीब एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया है। घटना का वीडियो भी सामने आने के बाद गांव में दहशत और तनाव का माहौल बन गया।

घायल नौरत सिंह रावत के अनुसार उनका परिवार लंबे समय से हाथीखेड़ा में रह रहा है और गांव में लगभग पांच सौ गज से अधिक जमीन है, जिसे वर्षों पहले उनके दादा ने खरीदा था। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उनका भाई भागचंद अपनी जमीन के पास गया था, तभी वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों पर भी पत्थर फेंके और लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावर जमीन पर कब्जे की नीयत से आए थे। हमले में भागचंद, शिवराज, नौरत, कन्या सहित अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई के सिर, हाथ-पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे, जिससे वहां भी अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

हमले में हुये घायलों का अस्पताल में इलाज करवाया।

- घटना का वीडियो सामने आने के बाद गांव में दहशत और तनाव का माहौल

हरिभाऊ उपाध्याय नगर थानाधिकारी महावीर शर्मा ने बताया कि हाथीखेड़ा गांव में विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। प्राथमिक तौर पर मामला जमीनी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस के अनुसार पीड़ित पक्ष की शिकायत मिलने पर नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। घटना के वीडियो, मौके के साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया है।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी बैठक आज

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बोर्ड द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं की सुव्यवस्थित तैयारी, संचालन तथा समयबद्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए शुक्रवार को बोर्ड सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में संयुक्त निदेशक, समस्त जिला शिक्षा अधिकारी एवं संदर्भ व्यक्ति भाग लेंगे। बैठक में परीक्षा केन्द्रों की स्थापना, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, परीक्षा की पारदर्शिता, नकल निरोधक व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, आईटी आधारित निगरानी, उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन, समय सारणी एवं अन्य आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 19792484 दिनांक :- 07/01/2026

ई-बिड सूचना संख्या:- जोन विद्युत-प्रथम/21/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से विद्युत के कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से विद्युत कार्यों हेतु ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

Tender ID / UBN No. : JOD2526WSOB00512

NIB Code : JOD2526A0230

राज.संवाद/सी/25/17301 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-I)

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कोटा (राज.)

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दादाबाडी परिसर, सरकारी आवास, ए-1, कोटा (राज.)

फोन-0744-2461550 Email: eemhkota@ymail.com, ee-mh-kota@gov.in

क्रमांक- 746 दिनांक-02.01.2026

निविदा सूचना संख्या-14/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 211.20 लाख के 12 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकारे अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट पर www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajaswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. 1. NRH2526WSOB02075, 2. NRH2526WSOB02076, 3. NRH2526WSOB02077, 4. NRH2526WSOB02078, 5. NRH2526WSOB02079, 6. NRH2526WSOB02080, 7. NRH2526WSOB02081, 8. NRH2526WSOB02082, 9. NRH2526WSOB02083, 10. NRH2526WSOB02084, 11. NRH2526WSOB02085, 12. NRH2526WSOB02086

DIPR/C/254/2026 अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कोटा

'मास्टर प्लान में 80 फीट की सेक्टर रोड से अतिक्रमण क्यों नहीं हटाए'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट टर्मिनल-2 से मनोहरपुरा कच्ची बस्ती तक की 80 फीट की सेक्टर रोड पर अतिक्रमण से जुडे मामले में यूडीएच सचिव, जेडीए सचिव, जेडीए जोन-4 के उपायुक्त और प्रवर्तन अधिकारी से जवाब मांगा है। अदालत ने इन अधिकारियों से तीन सप्ताह में बताने को कहा है कि जब 2025 के मास्टर प्लान में यह रोड 80 फीट चौडाई में स्वीकृत है तो उस पर हो रहे अतिक्रमण क्यों नहीं हटाए गए। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश शंकर कॉलोनी विकास समिति, जगतपुरा की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा और अधिवक्ता लखन शर्मा ने अदालत को बताया कि एयरपोर्ट टर्मिनल-2 से मनोहरपुरा कच्ची बस्ती तक 80 फीट की सेक्टर रोड मास्टर प्लान में स्वीकृत है। इसके बावजूद इस सेक्टर रोड पर अतिक्रमण हो रखा है। कई जगह पर तो इस रोड की चौडाई आधी से भी कम रह गई है।

मुख्यमंत्री ने किया 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का उद्घाटन

अत्याधुनिक उपकरण-हथियारों और युद्ध करने के तौर तरीकों से आमजन होंगे रूबरू

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशस्त्र सेनाओं का आधुनिकीकरण अभूतपूर्व गति से बढ़ा
- भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल और राष्ट्र की आत्मा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- मुख्यमंत्री ने वीरांगनाओं का किया सम्मान
- भारतीय सेना की शक्ति का हुआ लाइव डेमोंस्ट्रेशन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत गुरूवार को भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में अत्याधुनिक उपकरणों और युद्ध करने के तौर तरीकों की झलक मिलेगी। आमजन समझेंगे कि कैसे हमारी सेना दिन-रात सुरक्षा में तत्पर रहती है। शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल, हर परिवार का भरोसा और राष्ट्र की आत्मा है। रेगिस्तान से लेकर बर्फाली सियाचीन तक हर मोर्चे पर हमारे जवान मुस्तैद खड़े हैं, ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहे।

उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को प्राथमिकता दी है। इस दौरान आधुनिक रायफलें, बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, सेल्फ प्रोपल्ड गन्स, टैंक, बंकर, ड्रोन एवं एंटी-ड्रोन सिस्टम्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्सेज, पैराग्लाइडिंग गतिविधियां, स्काई डाइविंग, डॉग स्क्वॉड सहित अन्य गतिविधियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, चीफ ऑफ स्टॉफ लेफ्टिनेंट जनरल एच.एस. वांदरा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी, सैनिक, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में गणमान्य आमजन उपस्थित रहे।

नगर निगम का गोदाम पर छापा, एक लाख का जुर्माना

जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर गुरुवार को अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य शाखा द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई।

अभियान के तहत बास बदनपुरा क्षेत्र स्थित एक गोदाम पर जांच कार्रवाई की गई। जांच के दौरान गोदाम परिसर में भारी गंदगी, डस्टबिन की अनुपस्थिति तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया गया। नियमों के उल्लंघन पर गोदाम मालिक राहुल शर्मा, निवासी पंजाबी कॉलोनी, के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नगर निगम की ओर से एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि गोदाम संचालक को भविष्य सफाई रखने और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही एक अन्य कार्रवाई के दौरान एक ई-रिक्शा में अवैध रूप से ले जाई जा रही सिंगल यूज प्लास्टिक भी जब्त की गई।

सार-समाचार

जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष बनने पर यादव का किया स्वागत

जयपुर। पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव को जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर समाचार पत्र वितरक महासंघ के पदाधिकारियों स्थानीय निवासियों व कार्यकर्ता बंधुओं ने उनका स्वागत एवं सम्मान साफा माला व शॉल ओढाकर किया।आए हुए सभी महानुभावों ने अजय यादव को शुभकामनाएं दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।सभी वितरक बंधुओं ने माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा माननीय प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड व माननीय जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल का आभार व्यक्त किया।इस दौरान निवर्तमान महापौर कुसुम यादव कोषाध्यक्ष हनुमान सैनी, सावंत सिंह राठौड घनश्याम यादव टीकम यादव राजेश यादव बीएल मीणा अनिल यादव गजेंद्र सिंह जुगल बागडा राजेंद्र सैनी मुकेश सैनी कैलाश मीणा गोविंद गुर्जर संजय यादव अनिल यादव सतनारायण शर्मा नरेश शर्मा अक्षय यादव सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।

इस्लाहे मआशरा की कारगर हो रही मुहिम

जयपुर। राजस्थान के कुरैशी समाज में दहेज के लेन-देन पर पाबंदी लग रही है। समाज के वरिष्ठजन एवं नामवर लोग अपने लड़के-लड़कियों की शादी में दहेज का लेन-देन बंद कर एक मिसाल कायम कर रहे है। इस मुहिम में गत वर्ष वरिष्ठ समाजसेवी एवं बिजनेसमैन झोटवाड़ा निवासी छुट्टन कुरैशी ने अपनी बेटी आलिमा की नो गार्डन, नो डिनर, नो दहेज के पैटर्न पर शादी कर एक मिसाल कायम की। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए एमडी रोड की इस्लाहे मआशरा कमेटी ने भूमिका निभाते हुए सादगी के साथ निकाह के कई आयोजन मस्जिद में कराए। दहेज के बिना लेन-देन की इसी कड़ी में गुरुवार 8 जनवरी को झोटवाड़ा की नूरानी मस्जिद में मेराज कुरैशी ने अपनी पुत्री शहनाज का निकाह रामनगर शास्त्री नगर के जहीरूद्दीन के पुत्र जुनैद के साथ सादगी से संपन्न कराया। शरीयत के अनुसार निकाह की रस्म अदायगी के बाद सभी आगंतुकों को खिजूर पेश कर अगवानी की गई। इस मौके पर बिरादरी के वरिष्ठ जन एवं बड़ी संख्या में समाजसेवी शामिल हुए।

गंदगी और सिंगल यूज प्लास्टिक पर नगर निगम का कड़ा प्रहार

जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर गुरुवार को अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य शाखा द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। नियमों के उल्लंघन पर गोदाम मालिक राहुल शर्मा, निवासी पंजाबी कॉलोनी, के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नगर निगम की ओर से एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि गोदाम संचालक को भविष्य सफाई रखने और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई।इसके साथ ही एक अन्य कार्रवाई के दौरान एक ई-रिक्शा में अवैध रूप से ले जाई जा रही सिंगल यूज प्लास्टिक भी जब्त की गई। निगम टीम ने मौके से लगभग 120 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना भी लगाया गया। नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने स्पष्ट किया कि गंदगी फैलाने, डस्टबिन नहीं रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम जयपुर ने आमजन और व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें, डस्टबिन का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह बंद करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ई-जनसुनवाई प्रणाली दूसरे दिन भी रही निरंतर जारी

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नागरिकों की सुविधा और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से शुरू की गई ई-जनसुनवाई प्रणाली दूसरे दिन, गुरुवार को भी निरंतर जारी रही। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के नेतृत्व में किए गए इस नवाचार के माध्यम से अब आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं, बल्कि घर बैठे ही उनकी शिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है। जेडीसी ने बुधवार को इस डिजिटल पहल का शुभारंभ किया था। इसका मुख्य ध्येय आमजन की परेशानियों को कम करना है। पूर्व में नागरिकों को शिकायतों के निवारण के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों का व्यय होता था। ई-जनसुनवाई प्रणाली से न केवल प्रक्रिया पारदर्शी बनी है, बल्कि अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है। प्रकरणों का चयन: सर्वप्रथम ई-संपर्क पोर्टल एवं जेडीए ऑनलाइन पोर्टल पर लंबित गंभीर प्रकृति के प्रकरणों को जोन उपायुक्त एवं प्रकोष्ठ प्रभारियों द्वारा चिन्हित किया जाता है। सूचना एवं लिंक: आवेदक को जोन उपायुक्त के माध्यम से सुनवाई का समय और दिनांक मैसेज द्वारा सूचित किया जाता है। सुनवाई से एक घंटे पूर्व, प्रार्थी को वेबएक्स ऐप का लिंक भेजा जाता है। इस हेतु प्रार्थी को अपने मोबाईल में वेबएक्स ऐप इंस्टाल करना होगा।

189 किलो डोडा-पोस्त के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जयपुर । ब्यावर एसपी रतन सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बदनोर थाना पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने ओझियाना मार्ग पर घेराबंदी कर एक हुंडई क्रेटा कार से 189 किलो 490 ग्राम अवैध अफीम डोडा-पोस्त बरामद कर दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 28.50 लाख रुपए आंकी गई है। एसपी सिंह ने बताया कि बदनोर थानाधिकारी महादेव प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ओझियाना की तरफ नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की क्रेटा कार आई, जिसे रुकने का इशारा किया गया। तस्करों ने रुकने के बजाय नाकाबंदी तोड़कर गाड़ी भगा ली।

मुख्यमंत्री महायज्ञ में शामिल हुए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को सीकर रोड स्थित नींदड़ आवासीय योजना में आयोजित श्रीराम कथा एवं 1008 कुण्डीय हनुमन् महायज्ञ में शामिल हुए। शर्मा ने इस अवसर पर जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी के सानिध्य में सपरिवार मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहूति दी।

रैन बसेरों में जरूरतमंदों के लिए सुविधाएं उपलब्ध

जयपुर । नगर निगम जयपुर द्वारा शहर में संचालित रैन बसेरों में जरूरतमंद एवं निराश्रित व्यक्तियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रैन बसेरों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जरूरतमंदों को सहायता प्रदान की जा रही है। सर्दी के मौसम को देखते हुए निगम अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। बुधवार को रात्रि में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने जे.के लोन अस्पताल के गेट के पास, सांगानेर पुलिया के नीचे, गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, महारानी फार्म पुलिया के नीचे रैन बसेरों का औचक निरीक्षण दिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शहर में 12 स्थायी एवं 13 अस्थायी रैन बसेरों, कुल 25 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है। इन रैन बसेरों में जरूरतमंदों के लिए नि:शुल्क ठहराव, गर्म बिस्तर, कंबल, अलाव, स्वच्छ पेयजल एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है।

प्री-प्राइमरी से फर्स्ट क्लास तक देना होगा आरटीई में प्रवेश

- कई स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं होने के कारण उनमें पहली कक्षा से पहले ही प्रवेश हो जाता है। जिसके चलते स्कूल आरटीई में प्रवेश नहीं देते

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रदेश के निजी स्कूलों को प्री-प्राइमरी से फस्र्ट क्लास तक आरटीई के तहत प्रवेश देना होगा। निजी स्कूल इन कक्षाओं में से जिस भी कक्षा में विद्यार्थियों को प्रवेश देती है, उस कक्षा में 25 फीसदी सीटों पर आरटीई के तहत प्रवेश देने होंगे।

एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश अभ्युत्थानम सोसायटी व अन्य की जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। वहीं अदालत ने मामले में राज्य सरकार और निजी स्कूलों की अपील को खारिज कर दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि स्कूल पहली कक्षा में अतिरिक्त सीटों पर सामान्य प्रवेश दे रहे हैं तो उसी अनुपात में 25 फीसदी सीटों पर आरटीई के तहत भी प्रवेश दिए जाएगे। अदालत ने मामले में गत 4 नवंबर को सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जनहित याचिका में राज्य सरकार के साल 2020 की अधिसूचना को चुनौती दी गई थी। अधिसूचना में कहा गया था कि निजी स्कूलों को आरटीई के तहत केवल पहली कक्षा में प्रवेश देने पर ही फीस का पुनर्भरण किया जाएगा। अधिवक्ता रिद्धि ने बताया कि कई स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं होने के कारण उनमें पहली कक्षा से पहले ही प्रवेश हो जाता है। जिसके चलते स्कूल आरटीई में प्रवेश नहीं देते। वहीं स्कूल प्रशासन की ओर से कहा गया कि स्कूलों के संसाधन सीमित हैं और राज्य सरकार ने फीस के पुनर्भरण को लेकर 2009 से लेकर अब तक कोई नियम नहीं बनाए हैं।

वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता सुरेंद्र सिंह नरूका ने कहा कि प्री प्राइमरी व पहली कक्षा दोनों लेवल पर आरटीई में प्रवेश हो तो प्री प्राइमरी में होने वाले प्रवेशों के लिए भी केन्द्र सरकार से निर्धारित फीस की पुनर्भुगतान राशि राज्य को दिलाई जाए। दूसरी ओर केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया था कि आरटीई में प्रवेश की व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों की है, केन्द्र की नहीं।

सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए निजी स्कूलों और राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सराहा महिलाओं का हुनर

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय 'राष्ट्रीय महिला लोक कला एवं शिल्प कार्यशाला' के समापन समारोह में शिरकत की। इस दौरान आयोजकों की ओर से उपमुख्यमंत्री का सम्मान किया गया।

समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों से आई महिला कलाकारों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया और कलाकारों से संवाद कर उनकी कलाकृतियों की सराहना की। उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह आयोजन नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और लोक कलाओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है।

मिड डे मील योजना के घोटाले में कॉनफैड व निजी फर्मों के 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

- योजना में करीब 2000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का खुलासा हुआ

जयपुर। कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल बंद रहने की अवधि में संचालित राज्य मिड डे मील योजना में करीब 2000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने प्राथमिक व विस्तृत जांच के बाद कॉनफैड के अधिकारियों और निजी फर्मों सहित 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

एसीबी की जांच में सामने आया कि विद्यार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए कॉनफैड के माध्यम से दाल, तेल और मसालों से युक्त कॉम्बो पैक की आपूर्ति की गई। जांच में खुलासा हुआ कि योजना से जुड़े अधिकारियों और कॉनफैड के अधिकारियों ने आपसी मिलीभगत कर नियमों में बदलाव किए। इससे योग्य फर्मों को टेंडर प्रक्रिया से बाहर कर चहेती फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। बाद में इन फर्मों ने अवैध रूप से कार्य सबलेट कर फर्जी आपूर्तिकर्ताओं व ट्रांसपोर्टरों का नेटवर्क खड़ा किया।

इस सुनियोजित धोखाधड़ी और कूटरचना से राज्य राजकोष को लगभग 2000 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान पहुंचा।

प्रकरण में कॉनफैड के सहायक लेखाधिकारी, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, गोदाम कीपर, सुपरवाइजर, केन्द्रीय भण्डार के क्षेत्रीय व उप प्रबंधक, साथ ही तिरूपति सप्लायर्स,

राजस्थान विश्वविद्यालय ने 80वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने आज अपना 80वाँ स्थापना दिवस भव्य, गरिमामयी एवं उत्सवपूर्ण वातावरण में मनाया। इस अवसर पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि माननीय अर्जुन राम मेघवाल, केन्द्रीय मंत्री, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बाबूलाल जी, प्रान्त प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर प्रान्त की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस पावन अवसर पर प्रोफेसर भगवती प्रसाद सारस्वत, कुलगुरु, कोटा विश्वविद्यालय तथा डॉ. ओम प्रकाश बैरवा, आयुक्त कॉलेज शिक्षा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह में प्रोफेसर भगवती प्रसाद सारस्वत, कुलगुरु, कोटा विश्वविद्यालय तथा डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने पुस्तक का विमोचन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो अल्पना कटेजा ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय न केवल राजस्थान का सबसे प्राचीन एवं प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान है, बल्कि यह ज्ञान, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का सशक्त केन्द्र भी रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना 8 जनवरी 1947 को राजपूताना विश्वविद्यालय के रूप में होने तथा इसके गौरवशाली ऐतिहासिक सफर का उल्लेख किया। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य धर्मो विश्वस्य जगत: प्रतिष्ठा की व्याख्या करते हुए कहा कि यह भारतीय ज्ञान परम्परा का वह वैश्विक सन्देश है, जो मानवता को नैतिक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलगुरु डॉ. जी. एस. महाजनी के दूरदर्शी योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी विश्वविद्यालय के मूल दर्शन और कार्यसंस्कृति का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

कुलगुरु प्रो कटेजा ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की अकादमिक उपलब्धियों, सामाजिक योगदान तथा प्रशासन, न्यायपालिका, राजनीति, शिक्षा, संस्कृति और खेल के क्षेत्रों में विश्वविद्यालय से निकली विशिष्ट प्रतिभाओं का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और समावेशन राजस्थान विश्वविद्यालय के कार्य प्राथमिकताओं के केन्द्र में रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में राजस्थान विश्वविद्यालय बौद्धिक, सामाजिक एवं नवाचार आधारित नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। समारोह के मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल, माननीय केन्द्रीय मंत्री, विधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में राजस्थान विश्वविद्यालय को नैक द्वारा प्रदान की गई ग्रेड को विश्वविद्यालय की शैक्षिणक गुणवत्ता, अनुसंधान संस्कृति, हरित परिसर, महिला सशक्तिकरण, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सुदृढ पुष्टि होना बताया। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास और प्रतिबद्धता को दिया।

- कुलगुरु ने विश्वविद्यालय की विरासत, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा को रेखांकित किया

सड़क पर कचरा फेंकते कैमरे में कैद हुए लोग

जयपुर। शहर को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नगर निगम जयपुर द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशों के बाद स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से शहरभर में 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। सड़कों पर कचरा फेंकने वालों को अब किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बाजारों में लगे स्मार्ट कैमरों से प्राप्त फोटो और वीडियो फुटेज के आधार पर नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को चांदपोल, गणगौरी बाजार और त्रिपोलिया बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों और आमजन द्वारा सड़क पर कचरा फैलाते हुए लोगों को कैमरों में ट्रेस किया गया। इस पर नगर निगम की टीम ने एक ही दिन में नौ अलग-अलग स्थानों पर सड़क पर कचरा फेंकने की घटनाओं को चिन्हित किया। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 10,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा चालान सीधे उनके घर तक भिजवाए गए। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने अपील की है कि वे कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, सड़क पर गंदगी न फैलाएं।

एफआई दर्ज करवाने के लिए थाने में नहीं लगाने पड़ेगे चक्कर

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में गुरुवार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष होने वाली डीजी-आईजी क्रॉन्फ्रेंस में प्रदेश के पुलिस अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन-2026 में पुलिस के तमाम आला अधिकारी सम्मेलन में मौजूद रहे। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास मौजूद सहित कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर सावंत भी मौजूद रहे। इस दौरान राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ई विजिटर पोर्टल का शुभारंभ किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से होटल में रुकने वाले पर्यटकों की सूचना मिल सकेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अच्छा काम करने पर पुलिस महकमे की सराहना की। हालांकि ढिलाई बरतने वालों को नसीहत भी दी। अन्य राज्यों की एटीएस द्वारा राजस्थान में की गई कार्रवाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब दूसरे राज्य की एजेंसी आकर राजस्थान में कार्रवाई करती है। तो सवाल खड़े होते हैं, उन्होंने कहा कि जिला पुलिस अगर ऐसे मामलों में एक्शन लेती तो अच्छा लगता। उन्होंने महिला व कमजोर वर्ग पर होने वाले अपराधों को लेकर कुछ जिलों में पुलिस की ढिलाई पर नाराजगी भी जाहिर की।

इस अवसर पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था की भागीदारी की संकल्पना के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है. वे बोले, आज अपराधी नई तकनीक का उपयोग कर रहे हैं।

कॉन्फ्रेंस आयोजित

जयपुर। आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स, जयपुर द्वारा गुरुवार को राजस्थान डिजिटल हेल्थ रिसर्च एवं एआई कार्यान्वयन रणनीति विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), राजस्थान के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने की। सम्मेलन में सरकार, शिक्षा जगत, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग तथा सिविल सोसाइटी के विषय विशेषज्ञों ने शिरकत की। परामर्श बैठक में चर्चाओं के माध्यम से राज्य की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया।कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने डिजिटल हेल्थ और एआई पहलों को राजस्थान की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ जोडने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचारों को सिस्टम की तैयारियों और नैतिक मापदंडों के साथ संरेखित करना अनिवार्य है।

'कांग्रेस की राजनीति विभाजन, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की प्रतीक'

- भाजपा में ना तो अपराधियों को मिलता है संरक्षण, ना ही भ्रष्टाचार को किया जाता है बर्दाश्त : मदन राठौड़

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कांग्रेसी नेताओं द्वारा की जा रही निराधार और भ्रामक बयानबाजी पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति का मूल स्वभाव ही हर घटना में राजनीति खोजने, समाज को बांटने और अपराधियों को संरक्षण देने का रहा है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी समाज को जोड़ने का प्रयास नहीं किया, बल्कि हमेशा भड़काने और तुष्टिकरण की राजनीति की है, जिससे स्वाभाविक रूप से समाज में असंतोष और दूरियां पैदा होती हैं। एक वर्ग विशेष के लोगों द्वारा अपराध किए जाने के बावजूद उन्हें संरक्षण देना सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंचाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्पष्ट कहा कि न्याय का सिद्धांत यह होना चाहिए कि जो भी दोषी हो, उसे दंड मिले, चाहे वह किसी भी दल या समाज से हो। अपना व्यक्ति गलत करे तो संरक्षण और दूसरा गलत करे तो कार्रवाई - यह नीति न तो लोकतांत्रिक है और न ही नैतिक। राठौड़ ने कहा कि आज देश देख रहा है कि बंगाल सहित कई राज्यों में खुलेआम हिंसा और अपराध हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस जैसे दल अपराधियों के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस तरह की राजनीति की आज आवश्यकता है? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता पाने का साधन नहीं, बल्कि उसमें आदर्श, गुणवत्ता, राष्ट्रीय चरित्र और सार्वजनिक आचरण होना चाहिए। जनता उसी राजनीति को पसंद करती है जो व्यवहार, विचार और कार्य-तीनों में संतुलित और नैतिक हो। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, जीप घोटाला, बोफोर्स घोटाला, चारा घोटाला-सूची इतनी लंबी है कि कहा जा सकता है।

प्रदेश में शीतलहर का प्रकोप जारी, कई जिलों में पारा पांच डिग्री के करीब पहुंचा

शीतलहर ने चूरू में लोगों को ठिठुराया, स्कूलों में बच्चों की छुट्टियां 10 जनवरी तक बढ़ाई

चूरू में पड़ रही तेज सर्दी के कारण पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें जम गई।

चूरू, (निसं)। प्रदेश के कई जिलों में शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है। गुरूवार को चूरू में न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री व अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। क्षेत्र में इन दिनों हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। जिला प्रशासन ने शीतलहर को देखते हुए स्कूली विद्यार्थियों की छुट्टियां 10 जनवरी तक बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार गुरूवार को सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही और पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें जम गई। बुधवार शाम से ही बर्फीली हवाओं ने लोगों को ठिठुराकर रख दिया और देर रात तक घना कोहरा छा गया। बुधवार की तुलना में गुरुवार को न्यूनतम तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। कड़ाके की सर्दी से राहत पाने के लिए लोगों ने अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लिया। चाय की दुकानों पर भीड़ देखी गई।

■ चूरू में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में आगामी एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अगले दो-तीन दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा और ठंड़ा दिन रहने की संभावना है। घने कोहरे के कारण ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दौसा में लोगों ने अलाव जलाकर सर्दी से बचाव किया।

कोहरे से पहियों की रफ्तार थमी

दौसा, (निसं)। दौसा में सर्दी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। घना कोहरा, शीतलहर और कोल्ड डे जैसी परिस्थितियों के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लगातार गिरते तापमान और ठंडी हवाओं ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि दिन में भी रात जैसी सर्दी महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर भीषण कोहरे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों के पहिये थम गये हैं तथा रेलमार्ग भी पूरी तरह से प्रभावित हो गया है।

उल्लेखनीय है कि सर्दी के तीखे तेवर व घने कोहरे के चलते दौसा जिले में जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। शीतलहर से लोगों में धूंजणी लगी हुई है, लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव ताप रहे हैं। उधर सर्दी एवं घना कोहरा का असर राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रेल मार्ग पर भी पडा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौपहिया वाहनों की रफ्तार भी थम गई है तथा चौपहिया वाहनों को दिन में भी लाईट जलानी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर रेल मार्ग भी प्रभावित हुआ है, अधिकांश ट्रेनें अपने निर्धारित समय से तीन से चार घंटे देरी से पहुंच रही है।

डिस्कॉम सतर्कता दल पर महिलाओं ने हमला किया

झीपासनी गांव में मीटर उखाड़ने पहुंचे दल पर हमला किया

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती करवड़ स्थित झीपासनी गांव में जोधपुर डिस्कॉम के सतर्कता दल पर हमला हो गया। गांव में एक परिवार की कुछ महिलाओं और बुजुर्ग व्यक्ति ने राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। मीटर उखाड़ने पहुंचे दल पर महिलाओं ने बबूल की डंडियों से हमला कर भगा दिया। घटना को लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि इस बारे में बुधवार को पुलिस में मामला दर्ज कराया जा चुका है।

करवड़ पुलिस के अनुसार जोधपुर डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता कमल किशोर भाटी सतर्कता दल में कार्यरत हैं। वे बुधवार दोपहर 12 से एक बजे के बीच में टीम के साथ झीपासनी गांव में घरेलू उपभोक्ता के बिजली चोरी की सूचना पर दबिश देने मौके पर गए थे। तब मकान मालिक धन्नाराम पुत्र सुरजाराम जाट और उसके परिजनों ने पहले विरोध जताया। उन्होंने कार्रवाई करनी चाही, तब घर की महिलाओं ने बबूल की लकड़ियों से हमला बोल दिया और पीटने के साथ भगा दिया। खुद धन्नाराम जाट भी डिस्कॉम टीम का विरोध करने लगे। बाद में जैसे-तैसे उन्हें बिना कार्यवाही के निकलना पड़ा। जेइएन कमल किशोर भाटी की तरफ से राजकार्य में बाधा डाले जाने का प्रकरण दर्ज कराया है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि महिलाएं किस तरह से कार्रवाई का विरोध जताने के साथ मारपीट पर उतारू हुई। फिलहाल पुलिस वीडियो और दर्ज केस के आधार पर जांच में जुटी है।

■ घटना को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, मामला दर्ज

बाइक चोरी के प्रकरण दर्ज

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में गत 24 घंटों में बाइक चोरी के चार प्रकरण दर्ज हुए हैं। चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड थाने में दी रिपोर्ट में शिव कॉलोनी चांदणा भाखर निवासी रूचिर दायमा ने पुलिस को बताया कि 6 जनवरी को डीपीएस चौराहा के निकट से उसकी बाइक चोरी हो गई। दूसरी तरफ प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि भूरटिया सूरसागर क्षेत्र में रहने वाले मदनलाल विश्नोई बंगाली क्वार्टर प्रतापनगर क्षेत्र में आया हुआ था। जहां से उसकी बाइक कोई चुरा ले गया। इधर करवड़ थाने में दी रिपोर्ट में मंडलनाथ चौराहा निवासी चैनाराम प्याली ने पुलिस को बताया कि दईजर गांव से उसकी बाइक चोरी हो गई। वहीं भोपालगढ़ के देवातड़ा निवासी राणाराम पुत्र मुल्तानराम मेघवाल बसंत विहार बनाड़ आया था, जहां से बाइक कोई चुरा ले गया।

डीजल टैंकर में छिपाकर लाई जा रही 40 लाख रुपये की शराब पकड़ी

पंजाब से राजस्थान होते हुए गुजरात ले जाई जा रही थी शराब, पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की सादुलशहर थाना पुलिस और बीकानेर रेंज स्पेशल टीम ने देर रात को कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी है। यह शराब भारत पेट्रोलियम के डीजल टैंकर में छिपाकर पंजाब से राजस्थान होते हुए गुजरात लेकर जाई जा रही थी, जो पंजाब-राजस्थान बॉर्डर पर पतली चेक पोस्ट पर पकड़ी गई। टैंकर से शराब की 322 पेटियां मिली है, जिनकी मार्केट कीमत 40 लाख रुपए से ज्यादा आंकी गई है। पुलिस ने टैंकर ड्राइवर को गिरफ्तार कर टैंकर जब्त कर लिया है।

सादुलशहर थानाधिकारी मलकीत सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुलिस को खुफिया सूचना मिल रही थी कि पंजाब से गुजरात की ओर बड़ी खेप में अंग्रेजी शराब की सप्लाई हो रही है। इस पर टीम अलर्ट हो गई और पंजाब-राजस्थान बॉर्डर के पतली चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की गई। देर रात पंजाब की ओर से आते एक भारत पेट्रोलियम डीजल टैंकर को संदेह होने पर रोका गया। ड्राइवर से पूछताछ की तो वह घबरा गया और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। शक होने पर टैंकर की तलाशी ली गई तो डीजल की जगह भारी मात्रा में शराब की पेटियां भरी मिली।

पुलिस ने टैंकर से 322 पेटियां बरामद की। इनमें 252 पेटी रॉयल स्टैग व्हिस्की, 70 पेटी बियर और अन्य अंग्रेजी शराब शामिल है। पूरी खेप की बाजार कीमत 40 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुरेश (26) निवासी रामसरिया बायतु (बाड़मेर) के रूप में हुई है। वह टैंकर ड्राइवर था। पुलिस ने टैंकर को भी सीज कर लिया है। फिलहाल आरोपी से सख्ती से पूछताछ की जा रही है, ताकि शराब सप्लाई के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

राजस्थान हाईकोर्ट ने गरीब कैदियों के लिए पैरोल पर नई गाइडलाइन जारी की

कैदी की आर्थिक स्थिति देखकर ही बॉण्ड की शर्त तय की जाए : हाईकोर्ट

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक कैदी की चिट्ठी को रिट याचिका मानते हुए अहम फैसला सुनाया है। जोधपुर मुख्य पीठ ने स्पष्ट किया कि गरीबी कोई गुनाह नहीं है। कोर्ट ने पैरोल पर रिहाई के लिए गरीब कैदियों से जमानती मांगने के अधिकारियों के द्वारा यांत्रिक रवैये (मशीनी रवैया या मशीन की तरह व्यवहार करने) पर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस फरजंद अली की खंडपीठ ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में भविष्य के लिए नई गाइडलाइन जारी करते हुए कहा कि कैदी की आर्थिक स्थिति देखकर ही बॉण्ड की शर्त तय की जाए।

यह मामला सेंट्रल जेल जोधपुर में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी खरताराम से जुड़ा है। कोर्ट ने उसकी चिट्ठी को ही रिट याचिका मानते हुए यह फैसला सुनाया है। इसमें न सिर्फ खरताराम को राहत दी गई है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए छह सूत्रीय गाइडलाइन भी जारी की है। गत वर्ष छह दिसंबर को कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रख लिया था। अब छह जनवरी को कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया।

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने एक कैदी की चिट्ठी को रिट याचिका मानते हुए फैसला सुनाया

गौरतलब है कि पाली जिले का रहने वाला खरताराम हत्या के मामले में साल 2014 से सजा काट रहा है। गत वर्ष 29 सितंबर को जिला पैरोल कमेटी ने उसे चौथी बार 40 दिन के नियमित पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया लेकिन, कमेटी ने रिहाई के लिए 25-25 हजार रुपए के दो जमानती पेश करने की शर्त लगा दी। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर और गरीब होने के कारण खरताराम यह शर्त पूरी नहीं कर सका। वकील करने के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने जेल से ही पोस्टकार्ड भेजकर हाईकोर्ट से गुहार लगाई। कोर्ट ने पाया कि यह चौथा मौका है, जब इस कैदी को सिर्फ जमानती न दे पाने की वजह से हाईकोर्ट आना पड़ा है। इससे पहले साल 2019, 2020 और 2022 में भी उसे पैरोल मिला था, लेकिन तब भी अधिकारियों ने जमानती की शर्त लगा दी थी। उन तीनों मौकों पर हाईकोर्ट ने शर्त हटाकर उसे निजी मुचलके पर रिहा किया था। इसके बावजूद अधिकारियों ने चौथी बार फिर वही शर्त थोप दी।

कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि यह एक परेशान करने वाला पैटर्न है। कैदी को अपनी गरीबी के कारण चौथी बार कोर्ट आना पड़ा है। यह अधिकारियों की संस्थागत उदासीनता (सिस्टम की बेपरवाही) को दर्शाता है। पैरोल एक सुधारात्मक अधिकार है, इसे अमीर और गरीब के बीच भेदभाव का जरिया नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने आगे टिप्पणी में लिखा कि अगर कोई कैदी गरीब है और जमानती नहीं ला सकता, तो उससे जमानती मांगना उसे पैरोल देने से मना करने जैसा ही है। पैरोल केवल पैसे वालों का विशेषाधिकार नहीं हो सकता। कोर्ट ने खरताराम की याचिका स्वीकार करते हुए जिला पैरोल कमेटी के आदेश (25-25 हजार के दो जमानती की शर्त) को रद्द कर दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर पैरोल पर रिहा किया जाए।

सूने मकान से 15 तोला सोना चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के शंकर नगर में रहने वाले एक बैंक कर्मचारी के सूने मकान में चोरों ने सैंध लगाकर तकरीबन 15 तोला सोने और कुछ चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।

चौहोबो थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि मामले में पालीवाल पेट्रोल पंप के पीछे शंकर नगर निवासी आशीष कांत पुत्र दिनेशचन्द्र गौतम ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वे मूल रूप से उत्तरप्रदेश के हैं। उनकी पत्नी उत्तरप्रदेश गई हुई थी। वे उसे लेने के लिए 4 जनवरी को उत्तरप्रदेश गए थे। वापस लौटे तो पता लगा कि ताले टूटे पड़े हैं। चोरों ने अलमारी और तिजौरी से 12-15 तोला सोने के आभूषण के साथ चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए।

दुकान विवाद में हुए खूनी संघर्ष के चार नामजद आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। दुकान विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष मामले में दरगाह थाना पुलिस ने को चार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरगाह परिसर में फूल और चादर की एक दुकान को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद में 30 दिसंबर को हुई हिंसक झड़प में पन्नीग्राम चौक निवासी खादिम सैयद तालिब हुसैन और एक जायरीन घायल हो गए थे।

पुलिस के अनुसार प्रकरण में तालिब हुसैन की रिपोर्ट पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सोमलपुर से चार आरोपियों सैयद नावेद उर्फ अरबाब व सैयद जुनैद बालीबाला पुत्र सैयद इकबाल बालीबाला कुदरत मंजिल खादिम मोहल्ला, पाकिर चिश्ती पुत्र सैयद यासिर चिश्ती निवासी खादिम मोहल्ला और हसनेन चिश्ती पुत्र सैयद अली अहमद चिश्ती निवासी ख्वाजा चौक देशवाली मोहल्ला दरगाह अजमेर को गिरफ्तार कर पूछताछ कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार दरगाह परिसर में दुकान नंबर 8 दरगाह कमेटी ने 1978 में तालिब की दादी के नाम आवंटित की थी। 1985 में इंतकाल के बाद यह दुकान बड़े बेटे के नाते सैयद गौसुल इस्लाम के नाम दर्ज हुई। रिश्तेदारी के चलते दूसरे पक्ष को साझेदारी में बारी-बारी से संचालन की अनुमति दी गई, लेकिन तीन वर्षों से एक पक्ष दुकान चला रहा था और बारी देने से इनकार कर रहा था। पीड़ित के अनुसार 2022 में लीगल नोटिस और समझौते के बावजूद विवाद नहीं सुलझा, जबकि धमकियों की शिकायतें भी पूर्व में दी गई थीं। तालिब के मुताबिक हमलावरों ने पहले रास्ते में घेरकर वार किए। जान बचाने के लिए वह मोहम्मदी गेस्ट हाउस में घुस आए, लेकिन वहां भी पीछा कर मारपीट की गई। तालिब का आरोप था कि हमलावरों ने गले पर चाकू से वार करने की कोशिश की थी।

युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे कुछ युवकों को पकड़ा और जुआ अधिनियम में केस दर्ज किया। एयरपोर्ट थाने के एएसआई शिवदानराम ने शिकारगढ़ डिगाड़ी रोड पर गुब्बाखाई कर रहे सांवरलाल को गिरफ्तार किया। सदर बाजार थाने के हैड कांस्टेबल रतन सिंह ने गुब्बाखाई कर रहे नासिर खान को पकड़ा। बोरानाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल अरविंद कुमार ने बोरानाडा क्षेत्र में नदीम को गिरफ्तार किया।

विक्षिप्त युवक ने हाईटेंशन लाइन के तारों पर झूलते हुये ड्रामा किया

रेस्क्यू टीम ने युवक को नीचे उतारा तो ऊंचाई से गिर गया, जिसे लोगों ने बचा लिया

दौसा, (निसं)। कोतवाली पुलिस थाना के समीप बुधवार रात्रि को एक विक्षिप्त युवक ने हाईटेंशन लाइन के तारों पर झूलते हुये दो घंटे तक ड्रामा किया, जिसके चलते कोतवाली पुलिस के हाथ-पांव फूल गये। इधर रेस्क्यू टीम ने भारी मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतारा, नीचे उतारते वक्त युवक काफी ऊंचाई से गिर गया, जिसे लोगों की मदद से बचा लिया। वहीं दूसरी ओर कोतवाली पुलिस युवक को श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय लेकर पहुंची जहां प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उसकी छुट्टी कर दी। छुट्टी होने के साथ की कोतवाली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिसे गुरुवार को जमानत के बाद छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार फतेहपुर जिला यूपी निवासी बुधवार को तकरीबन साढे 8 बजे कोतवाली थाना पहुंचा तथा ठेकेदार पर मजदूरी नहीं देने का आरोप लगाने लगा। इस पर कोतवाली पुलिस ने उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुये सुबह आने को बोल दिया। इधर युवक घर ना जाकर हाईटेंशन के विद्युत पोल पर चढ़ गया। लोगो ने तत्काल कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। कोतवाली पुलिस युवक को समझाने व नीचे उतारने के लिए पोल के पास पहुंची तो युवक ओर उपर चढ़ने लग गया। इस पर कोतवाली पुलिस ने सजगता दिखाते हुये विद्युत आपूर्ति को तत्काल बंद कराया। आपूर्ति बंद होने के साथ ही युवक हाईटेंशन के तारों पर झूलने लग गया। इस दौरान कोतवाली पुलिस ने उसे समझाईश के काफी प्रयास भी किये। युवक के नहीं उतरने पर तत्काल रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया। रेस्क्यू टीम ने नीचे जाल बांध दिया तथा दो जने क्रेन की मदद से उपर चढ़ गये। आखिरकार दो घंटे की कडी मशक्कत के बाद युवक को जकड़ लिया तथा उसे नीचे की ओर खींचने लगे। युवक नीचे लगे जाल पर गिर गया। नीचे गिरते ही कोतवाली पुलिस के जवानो ने उसे दबोच लिया तथा सीधे उसे चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सको ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार आज कोर्ट में पेश किया, जहां न्यायालय ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया।

विक्षिप्त युवक ने हाईटेंशन लाइन के तारों पर झूलते हुये दो घंटे तक ड्रामा किया।

कोतवाल भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि युवक मानसिक रुप से विक्षिप्त था, विद्युत पोल पर चढ़ गया। उसके बाद तारों पर झूलता रहा। जिसे सुरक्षित नीचे उतारकर परिजनों को सूचना दी गई। युवक को शांतिभंग में गिरफ्तार का कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है। युवक सुरक्षित है।

दीक्षांत समारोह में 35 विद्यार्थियों को स्वर्ण तथा 29 को विद्या वाचस्पति की उपाधि दी

बांसवाड़ा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरूवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह शिरकत की। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2025 की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 35 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 29 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति उपाधि प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल बागड़े ने रावलपिंडी की वीरांगना की कहानी सुनाई तो सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। साथ ही उन्होंने मेकाले द्वारा दी गयी शिक्षा पद्धति के खत्म नहीं होने पर दु:ख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अब नई शिक्षा नीति शिक्षा, संस्कार और रोजगार जागृत करेगी। उन्होंने बताया कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक, आर्थिक एवं वैचारिक क्रांति का शंखनाद करने की क्षमता रखती है। इसके माध्यम से समाज में समरसता, बंधुत्व और राष्ट्रीय एकता का संचार किया जा सकता है, जो सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वहां राह चलता बच्चा भी राष्ट्र की रक्षा के लिये तैयार रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझते हुए कार्य करने का आव्हान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कार्यक्रम में स्वर्ण पदक व पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संदेश देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उपाधि केवल औपचारिक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर और जीवनचर्या में ज्ञान को क्रियान्वित करने का संकल्प है। बागड़े ने विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यदि कहीं गुणात्मक शिक्षा का अभाव दिखाई देता है, तो उसे दूर करने के लिए प्रारंभिक शिक्षा के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है। मजबूत नींव पर ही उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था का निर्माण संभव है।

■ शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो सकता है : राज्यपाल बागड़े

दीक्षांत समारोह के अवसर पर शिक्षा, संस्कृति उत्थान प्रयास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि सुख-सुविधा मिलने चाहिए लेकिन दृष्टि में चुनौतियों का समाधान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए और शोध भी आवश्यकतानुसार होना चाहिए क्योंकि यह प्रायोगिक कार्य है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के लिये यदि योगदान नहीं दे पायेंगे तो वह शोध किसी काम का नहीं। उन्होंने बताया कि वर्षों का सपना था कि मेकाले की शिक्षा पद्धति को तीलांजलि देनी चाहिए और नई शिक्षा नीति ने यह कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि देश को बदलना है तो शिक्षा में बदलाव करना होगा।

उसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया. अश्विन ने पिछले 30 दिनों में घरेलू और अंडर-19 क्रिकेट में वैभव के लगातार धमाकेदार स्कोर गिनाते हुए उनकी निरंतरता और प्रभाव को असाधारण बताया। **- आर. अश्विन**

भारतीय गेंदबाज, वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

तिलक वर्मा

राजकोट में बंगाल के ख़िलाफ़ विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी मुक़ाबले के बाद दर्द की शिकायत के बाद भारतीय बल्लेबाज़ तिलक वर्मा की पेट के निचले हिस्से में सर्जरी की गई है। अब आने वाले कुछ दिनों में उनके सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने की उम्मीद है। इससे उबरने में और उनकी वापसी की समय का अनुमान उनकी दोबारा जांच के बाद ही लगाया जा सकेगा। तिलक को हुई इंजरी के समय को देखते हुए 21 जनवरी से शुरू हो रही न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ पांच मैचों की 20 सीरीज़ में उनके न खेल पाने की संभावना प्रबल है। तिलक भारत के 20 विश्व कप दलका भी हिस्सा हैं।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका के खब्बू गेंदबाज चामिंडा वास ने 2001 में सिर्फ 19 रन देकर 8 विकेट लिए थे। आज तक उनके रिकॉर्ड की कोई बराबरी तक नहीं कर पाया।

शेफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द मंथ नॉमिनीज में शामिल

दुबई, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के पेस बॉलर मिचेल स्टार्क और न्यूज़ीलैंड के जैकब डफ़ी के साथ-साथ वेस्ट इंडीज़ के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स दिसंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की लाइन में हैं, जबकि इंडिया की ओपनर शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी लॉरा वोल्वार्ड्ट और सुने लुस के साथ महिला शॉर्टलिस्ट में शामिल हैं। लेफ्ट-आर्म पेसर स्टार्क ने इस दौरान तीन एशेज टेस्ट में 16 विकेट लेने के अलावा बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वेस्ट इंडीज के ख़िलाफ तीन टेस्ट सीरीज में 23 विकेट लेकर डफ़ी का प्लेयर ऑफ द सीरीज का प्रयास उन्हें रेस में लाता है, जबकि ग्रीव्स का डबल-सेंचुरी वाला ऑलराउंड प्रयास उन्हें एक काबिल कैंडिडेट बनाता है।

आरसीए अंडर-14 चैलेंजर ट्रॉफी

बीसीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को हराया

जयपुर, 8 जनवरी, राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर में आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 चैलेंजर ट्रॉफी : -

1) टीम डी - टीम ऐ

टीम डी पारी 146 आल आउट

टीम ऐ पारी 203 आल आउट

टीम के लिए उत्सव शर्मा 54, मुकुल कौशिक 50, पुनीत यादव 27

टीम डी के गेंदबाज संकल्प बिश्नोई 21 / 3, मनवीर, क्यान्श 2 - 2 विकेट

2) टीम सी पारी 283 / 6 ,

टीम बी पारी 409 आल आउट

टीम के लिए हिमेश अलवाणी 74, गौरव पुनिया 75, आदित्य यादव 56, आदित्य यादव 54, दैविक 43, अंश 41

टीम सी के गेंदबाज भावेश बघेल 58 / 4, अथर्व मालू 69 / 3 विकेट।

बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी (राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को हराया)

अहमदाबाद में आज खेले गए राजस्थान - पॉन्डिचेरी मैच में राजस्थान जीता। राजस्थान की जीत में करण लाम्बा का शतक।

राजस्थान पारी 269 / 8

टीम के लिए करण लाम्बा 108, रामनिवास गोलाडा 64, अजय सिंह कुकना 31 रन

पॉन्डिचेरी के गेंदबाज सागर 32 / 3, नितिन 51 / 2 विकेट

पॉन्डिचेरी पारी 137 आल आउट

टीम के लिए नितिन 56 रन

राजस्थान के गेंदबाज दानिश भाम्भू 35 / 3, अशोक शर्मा 27 / 2, खलील अहमद 30 / 2 व मानव सुथार 38 / 2 विकेट।

बीसीसीआई अंडर 15 वीमेन ट्रॉफी (राजस्थान - कर्नाटक मैच)

कर्णाटक पारी 233 / 7

टीम के लिए काशवी 121, यशिका 55 रन

राजस्थान की गेंदबाज आरती 31 / 2, अक्षिता, रोचले, दर्शिता 1 - 1 विकेट

राजस्थान पारी 111 / 8

टीम के लिए सारिका 34, सरिता नाबाद 19, माहिरा 17 व रोचले 15 रन

कर्णाटक की गेंदबाज हर्षिता 10 / 4 विकेट

राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी के आज खेले गए मैचों का परिणाम :-

सोनी स्टेडियम गोवा - महाराष्ट्र मैच

महाराष्ट्र पारी 249 / 7

गोवा पारी 244 / 9

के एल सैनी स्टेडियम छत्तीसगढ़ - उत्तराखंड मैच

छत्तीसगढ़ पारी 265

उत्तराखंड पारी 258 / 8

जयपुरिया ग्राउंड मुंबई - पंजाब मैच

पंजाब पारी 216 आल आउट

मुंबई पारी 215 आल आउट

अनंतम ग्राउंड हिमाचल - सिक्किम मैच

सिक्किम पारी 160 / 6

हिमाचल पारी 163 / 1

विद्युत निगमों की टेबल टेनिस और बैडमिंटन प्रतियोगिता प्रारम्भ

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विद्युतकर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

जयपुर, 8 जनवरी। जयपुर स्थित सभी विद्युत निगमों के खिलाड़ियों के मध्य टेबल टेनिस और बैडमिंटन प्रतियोगिता की जयपुर क्लब में शुरुआत की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के मुख्य कार्मिक अधिकारी अमिताभ गुप्ता और जयपुर विद्युत वितरण निगम के मुख्य कार्मिक अधिकारी हरीभूषण भाटिया द्वारा किया गया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के टेबल टेनिस के मुकाबले में पुरुष सिंगल्स में जयपुर डिस्कॉम के तनुराज वर्मा विजेता रहे तथा जयपुर डिस्कॉम के राजीव मदान उपविजेता रहे। टेबल टेनिस की महिला सिंगल्स विजेता उत्पादन निगम की अंजली चौधरी तथा उपविजेता ऊर्जा विकास निगम की श्वेता केन रही। टेबल टेनिस के महिला युगल की विजेता राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की अंजली चौधरी और जागृति गर्ग की जोड़ी तथा उपविजेता ऊर्जा विकास निगम की श्वेता केन और प्रियंका सोनी की जोड़ी रही। टेबल टेनिस में पुरुषों के डबल्स मुकाबले और बैडमिंटन में महिला एवं पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शुक्रवार को खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट पांच विकेट से जीतकर एशेज 4-1 से जीती

सिडनी, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवें और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली, जिससे गर्मियों में उनका दबदबा दिखा। आखिरी दिन 160 रन के टारगेट का पीछा करते हुए, ऑस्ट्रेलिया ने 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाए, जिसमें एलेक्स कैरी ने विजयी बाउंड्री लगाकर मैच और सीरीज अपने नाम कर ली।

इससे पहले, जैकब बेथेल के शानदार 154 रन के बावजूद इंग्लैंड अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गया, जिन्हें उनकी मैराथन पारी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिला। मिचेल स्टार्क ने एक बार फिर अहम झटका दिया, सीरीज को 31 विकेट के साथ खत्म किया, जब इंग्लैंड के आखिरी खिलाड़ी जोश टंग को मार्नस लाबुशेन ने वाइड मिड-ऑफ पर कैच कराया। उस्मान ख्वाजा (6), स्टीव स्मिथ (12) और लाबुशेन (37) के आउट होने से ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य कुछ देर के लिए डगमगा गया, लेकिन कैमरन ग्रीन (नाबाद 22) के शानदार स्ट्रोकप्ले और कैरी (नाबाद16) के धैर्य ने पक्का किया कि देर से कोई अलार्म नहीं बजा। हेड को टेस्ट में उनके असर के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि स्टार्क को गेंद से लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। सीरीज का फैसला असल में बहुत पहले ही हो गया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर 11 दिनों के अंदर एशेज अपने पास रखी थी। पर्थ में शुरुआती टेस्ट में, जो एक तीखी पिच पर खेला गया था, इंग्लैंड पहले दिन 172 रन पर आउट हो गया, जब स्टार्क ने सात विकेट लेकर मेहमान टीम को ढेर कर दिया।

पहली इनिंग में बढ़त लेने के बाद इंग्लैंड ने थोड़ी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन दूसरी इनिंग में उनकी आक्रामक बैटिंग का तरीका उल्टा पड़ गया। ख्वाजा के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करनी पड़ी, इस कदम ने सीरीज को बदल दिया। हेड ने 69 गेंदों में सेंचुरी बनाई और ऑस्ट्रेलिया दो दिन के अंदर 1-0 से आगे हो गया।

ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में स्टार्क ने पिंक बॉल से अपना प्यार जारी रखा, पहले दिन छह विकेट लिए। जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला टेस्ट शतक बनाया, लेकिन इंग्लैंड की फील्डिंग ने उन्हें निराश किया क्योंकि उन्होंने पांच कैच छोड़े और ऑस्ट्रेलिया को 177 रन की अहम बढ़त बनाने दी।

विल जैक्स और बेन स्टोक्स के ज़्यादा कंजर्वेटिव अप्रोच से इंग्लैंड ने हार थोड़ी देर टाल दी, लेकिन जोफ्रा आर्चर और स्मिथ के बीच जबरदस्त मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा और मेज़बान टीम 2-0 से आगे हो गई।

एडिलेड में तीसरे टेस्ट में, पैट कमिंस कप्तान के तौर पर लौटे जबकि स्मिथ नहीं खेल पाए, जिससे ख्वाजा को वापस बुलाया गया। हालांकि आर्चर ने पांच विकेट लिए, लेकिन कैरी ने शानदार काउंटरअटैकिंग सेंचुरी लगाकर सबका ध्यान खींचा।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 168 रन पर आठ विकेट गंवाने के बाद वापसी की, स्टोक्स की सबसे धीमी टेस्ट फिफ्टी और आर्चर की पहली फिफ्टी की वजह से, लेकिन दूसरी पारी में हेड और कैरी के बीच 162 रन की अहम साझेदारी ने इंग्लैंड को 400 से ज़्यादा का टारगेट दिया। मेहमान टीम ने संघर्ष किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सीनियर बॉलर्स ने विकेट बांटकर स्कोर 3-0 कर दिया।

राजस्थान का 75 सदस्यीय दल पीएम से मिलने दिल्ली रवाना

संयुक्त शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग नीतू बारूपाल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर, 8 जनवरी। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में गुरूवार को युथ आईकन अवार्ड के लिये पीपीटी और विकसित राजस्थान के लिये सजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही 75 सदस्यीय दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने दिल्ली रवाना हुआ। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार डॉ. नीरज के.पवन ने बताया कि युथ आईकन अवार्ड के लिये 2 दर्जन युवाओं का पीपीटी लिया गया। इसमें से चयनित युवाओं को मुख्यमंत्री द्वारा 12 जनवरी को सम्मानित किया जायेगा। राजस्थान विकसित यंग लीडर के लिये भी टॉक शॉ का आयोजन किया गया, जिसमे करिअर मार्गदर्शन के लिये 15 से 29 साल के 50 युवाओं ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी से मिलने गये राजस्थान का 75 सदस्यीय दल 3 टीम लीडर के साथ दिल्ली गया है। इस दल को संयुक्त शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग नीतू बारूपाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल 9 से 12 जनवरी तक आयोजित होने वाले 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के अनुरूप एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ भी उपस्थित थे।

सरफराज खान ने लिस्ट-ए क्रिकेट में जड़ा सबसे तेज अर्द्धशतक

जयपुर, 8 जनवरी। सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाया। जयपुर के जयपुरिया विद्यालय मैदान पर 217 के लक्ष्य का पीछे करते हुए मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी ने 8.2 ओवर में 57 रनों की साझेदारी करते हुए मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। अपने भाई के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आये सरफराज ने आते ही स्पिनरों पर धावा बोल दिया।उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा के एक ओवर में तीन छक्के और तीन चौके जड़े और इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ के खिलाफ पांच गेंदों में 19 रन बटोर लिए। सरफराज ने महज 15 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और जब उन्हें मंयक मार्कंडे ने पगबाधा किया तब वह सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 20 गेंदों पर 62 रन बना चुके थे। इस उपलब्धि के साथ सरफराज खान ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले और बड़ौदा के अतीत सेठ के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ा। काले ने 1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था जबकि सेठ ने 2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ यह कारनामा किया था। यह लिस्ट ए क्रिकेट में चौथा सबसे तेज अर्धशतक है। सबसे तेज अर्धशतक श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने के नाम है जिन्होंने 2005-06 के सीजन में यह कारनामा किया था। सरफराज इस समय जारी विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, उन्होंने छह पारियों में 75.75 की औसत और 190.56 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए हैं। सरफराज ने भारत के लिए पिछली बार फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और वह हालिया समय में जबरदस्त फॉर्म में हैं।

हरमनप्रीत और मंधाना के बीच मुकाबले पर रहेगी सबकी नजर

नवी मुंबई, 8 जनवरी। डब्ल्यूपीएल का महत्व पहले की तुलना में अब काफ़ी ज़्यादा हो चुका है। पिछले साल भारत की पहली विश्व कप जीत के बाद डब्ल्यूपीएल के मेगा ऑक्शन पर सभी की नज़रें थी। इसके अलावा जिस तरह से लीग में लगातार नई खिलाड़ी तैयार हो रही हैं, उससे इसकी चर्चा और हो रही है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारत की ख़िताबी जीत में डब्ल्यूपीएल के भी योगदान का ज़िक्र किया है। अब चौथे सीन में, लीग पूरी तरह से सिस्टम का हिस्सा है और कई खिलाड़ियों के करियर को बना रहा है।

इस तीन साल पुराने लीग में प्रतिद्वंद्विता अभी भी पनप रही है और मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु उसमें से एक है। आईपीएल की तरह डब्ल्यूपीएल में भी इन दोनों टीमों के पास भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े नाम शामिल हैं, हरमनप्रीत बनाम स्मृति मंधाना। इसके अलावा यही दोनों ऐसी टीमें हैं जिन्होंने अभी तक डब्ल्यूपीएल का ख़िताब जीता है। दोनों टीमों के बीच आमने-सामने के रिकॉर्ड में एमआई 4-3 से आगे है।

गत विजेता एमआई पहले ही सीजन से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और इस सीज़न की शुरुआत भी वह अपनी मजबूत टीम के साथ वैसे ही करना चाहेंगी। नीलामी से पहले उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था और नीलामी में उन्होंने अपने ज़्यादातर पुराने खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया। जहां दूसरी टीमों में काफ़ी फ़ेरबदल हुए, एमआई ने अनुभव के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी महत्व दिया और अपनी टीम तैयार की।

वहीं, आरसीबी की टीम नई ऊर्जा के साथ टूर्नामेंट में उतरेगी। पिछले साल वह नॉकआउट में क्वालिफ़ाई नहीं कर पाए थे और मेगा ऑक्शन में उन्होंने कई नए चेहरों को टीम में शामिल किया।

श्रीलंका ने विक्रम राठौड़ के कंसल्टेंसी बेसिस पर बैटिंग कोच नियुक्त किया

कोलंबो, 8 जनवरी। श्रीलंका ने इस साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप से पहले विक्रम राठौर को कंसल्टेंसी बेसिस पर बैटिंग कोच के तौर पर टीम में शामिल किया है। एसएलसी की एक रिलीज में कहा गया है कि यह नियुक्ति मुख्य रूप से टीम को इस बड़े इवेंट के लिए तैयार करने पर फोकस करेगी। श्रीलंका के साथ राठौर का कार्यकाल 18 जनवरी से 10 मार्च तक चलेगा। राठौर, जो पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, पहले सितंबर 2019 से जुलाई 2024 तक भारतीय पुरुष टीम के बैटिंग कोच के पद पर थे। वह अभी आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लीड असिस्टेंट कोच भी हैं।

सबालेंका, रायबाकिना क्वार्टर फाइनल में

सिडनी, 8 जनवरी। वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका और पांचवें नंबर की एलेना रायबाकिना गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट में सीधे सेटों में जीतकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। ब्रिस्बेन में डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने राउंड ऑफ़ 16 के मैच में सोराना क्रिस्टिया को एक घंटे और 19 मिनट में 6-3, 6-3 से हराया। पहले सेट में क्रिस्टिया की सर्विस को तीन बार तोड़ने के बाद, सबालेंका को दूसरे सेट में दो गेम में छह ब्रेक पॉइंट की ज़रूरत पड़ी, जिसके बाद उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल की। सबालेंका ने अब 2023 की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में 35 मैच जीते हैं और दो हारे हैं, जिसमें दो ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब शामिल हैं, और एकमात्र हार 2024 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में मिली है।

प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता

सात्विक सिंह व रूद्र की घातक गेंदबाजी से संस्कार एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 8 जनवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज संस्कार क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी में खेले गये मुकाबले में संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने सात्विक सिंह बिष्ट 3 रन पर 3 विकेट, रूद्र 6 रन पर 3 विकेट, मयंक कुमावत 3 रन पर 2 विकेट, कलराव 0 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी को 3 विकेट से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया उसके दोनों ओपनर उत्सव शर्मा 23 रन कौशलेन्द्र टेकरीवाल 15 रन ने मिलकर 6.1 ओवर में 43 रन की पहले विकेट के लिये साझेदारी निभाकर अच्छी शुरूआत की लेकिन संस्कार क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों सात्विक सिंह बिष्ट 3 रन पर 3 विकेट, रूद्र 6 रन पर 3 विकेट, मयंक कुमावत 3 रन पर 2 विकेट, कलराव 0 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष केण्डलविक का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया और पूरी टीम 18.5 ओवर में मात्र 59 रन पर सिमट गयी।

जवाबी पारी में आयुष सैनी 16 रन नाबाद, अभिज्ञान 12 रन, अदवय रतन सुराना 11 रन नाबाद तथा तनिष्क चांगल 10 रन की मदद से विजय लक्ष्य 60 रन 4 विकेट खोकर मात्र 11.4 ओवर में हासिल कर 6 विकेट से जीत दर्ज कर ली। गेंदबाजी में केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी की ओर से प्रखर लाठ, कार्तिक सैनी, आर्यमन सिंह, प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच सात्विक सिंह बिष्ट संस्कार क्रिकेट एकेडमी रहे।

2027 एशेज में खेलने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं स्मिथ

सिडनी, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के उम्रदराज खिलाड़ियों का समूह 2027 एशेज खेलने को लेकर उत्सुक है लेकिन वह ख़ुद को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि वह उस सीरीज का हिस्सा हो पाएंगे या नहीं क्योंकि तब तक वह 38 के हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में सबसे उम्रदराज टीमों में से एक टीम के साथ जीत हासिल करते हुए एशेज पर 4-1 से क़ब्ज़ा जमाया। टेस्ट इतिहास में अब तक सिर्फ़ सात बार कोई टीम 30 से अधिक की उम्र के 10 खिलाड़ियों के साथ खेली है और ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में दो बार (पर्थ और सिडनी में) ऐसा किया। अन्य पांच बार ऐसा करने वाली टीम इंग्लैंड थी जो 1909 से 1926 के बीच 30 से अधिक की उम्र के 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरी थी। इस सीरीज की शुरुआत से पहले ऑस्ट्रेलिया में शामिल उम्रदराज़ खिलाड़ियों पर सवाल उठे थे लेकिन 35 वर्षीय मिचेल स्टार्क प्लेयर ऑफ द सीरीज़ बने जबकि 36 वर्षीय स्कॉट बोलैंड ने सभी पांच टेस्ट खेले और उन्होंने 24.95 की औसत से 20 विकेट हासिल किए। वहीं 35 वर्षीय माइकल नीसर ने भी अहम भूमिका निभाते हुए तीन टेस्ट में 19.93 की औसत से 15 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलियाई दल के सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी 39 वर्षीय उस्मान ख़्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया लेकिन स्मिथ से पूछा गया कि अन्य खिलाड़ी 2027 में इंग्लैंड में खेलने के लिए कितने उत्सुक हैं।

हैरी ब्रूक ने नाइट क्लब वाली घटना को लेकर माफी मांगी

सिडनी, 8 जनवरी। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने एशेज से पहले इंग्लैंड के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान एक एकदिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर एक नाइटक्लब बाउंसर के साथ झगड़े में शामिल होने की घटना को लेकर माफी मांग ली है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में इंग्लैंड को मिली 4-1 से हार के बाद सामने आयी है। टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वेलिंगटन एकदिवसीय मैच से एक रात पहले एक क्लब में प्रवेश को लेकर इंग्लैंड के सफेद कप्तान हैरी ब्रूक का बाउंसर के साथ झगड़ा हुआ। इसके बावजूद उनकी कप्तानी को बरकरार रखा गया। इस व्यवहार के लिए उन पर लगभग 30,000 पाउंड (36 लाख रुपये से अधिक) का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें अंतिम चेतावनी दी गई। ब्रूक ने एक बयान में कहा, "मैं अपने कामों के लिए माफी मांगना चाहता हूं। मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं कि मेरा व्यवहार गलत था और इससे मुझे और इंग्लैंड टीम दोनों को शर्मिंदगी हुई। इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ा सम्मान है, जिसे मैं गंभीरता से लेता हूं और मैं अपने टीम के साथियों, कोचों और समर्थकों को निराश करने के लिए बहुत दुखी हूं। मैंने इससे मिले सबक पर विचार किया है कि जिम्मेदारी, पेशेवर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने वालों से क्या उम्मीदें होती हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ का नाबाद शतक, महाराष्ट्र ने गोवा को पांच रनों से हराया

जयपुर, 8 जनवरी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 134) की शतकीय और विक्की ओत्सवाल (53 रन /एक विकेट) की अर्धशतकीय पारी के बाद प्रशांत सोलंकी (चार विकेट) के साथ गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत महाराष्ट्र ने गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में गोवा पांच रनों से हरा दिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोवा की टीम अच्छी शुरुआत के बाद महाराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 244 रन ही बना सकी और पांच रनों से मुकाबला हार गई। कश्यप बखाले और स्नेहल कौथनकर की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। हालांकि इसके बाद उसके बल्लेबाज महाराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के आगे संघर्ष करते नजर आये और उन्होंने 141 स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा दिये। कश्यप बखाले (42), स्नेहल कौथनकर (40), सुयश प्रभुदेसाई (10), अभिनव तेजराणा (16), विकास सिंह 13 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद ललित यादव और कप्तान दीपराज गांवकर ने थोड़ी देर के लिए पारी को संभाला और 185 के स्कोर तक ले गये। 37वें ओवर में रामकृष्ण घोष ने दीपराज गांवकर(34) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। दर्शन मिसाल (दो) अर्जुन तेंदुलकर (पांच), राजाशेखर हरिकांत नौ रन बनाकर आउट हुये। ललित यादव 57 रन बनाकर नाबाद रहे। महाराष्ट्र के लिए प्रशांत सोलंकी ने चार विकेट लिये। राजवर्धन हंगारगेकर को दो विकेट मिले। रामकृष्ण घोष, प्रदीप दाढ़े और विक्की ओत्सवाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां महाराष्ट्र ने गोवा के खिलाफ सात विकेट पर 249 का स्कोर बनाया था।

राधेलाल चौबे स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर, 8 जनवरी। मंदिर श्री खोले के हनुमान जी के संस्थापक पं. श्री राधे लाल चौबे जी की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर यूनियन कबड्डी क्लब, रामनिवास बाग, जयपुर द्वारा पं. राधे लाल चौबे स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि पं. राधे लाल चौबे जी को हनुमान भक्ति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं खेल गतिविधियों में भी विशेष रुचि थी। लगभग 50 वर्ष पूर्व उन्होंने अपने स्तर पर श्री खोले के हनुमान जी मंदिर परिसर में कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिताओं की परंपरा की शुरुआत की थी तथा निरंतर कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहे, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी हुई हैं।

इस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने भाग लिया, जिनमें 8 पुरुष वर्ग एवं 2 महिला वर्ग की टीमें सम्मिलित रहीं। प्रतियोगिता का शुभारंभ यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर के सचिव एवं यूनियन कबड्डी क्लब के संस्थापक श्री महिपाल स्वामी द्वारा किया गया। वहीं अखिल भारतीय संगठन मंत्री (क्रीड़ा भारती) श्री प्रसाद महांकर द्वारा विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पं. राधे लाल चौबे जी के सुपुत्र श्री अंशुमान चतुर्वेदी, कबड्डी के अंतरराष्ट्रीय कोच श्री राज नारायण, यूनियन फुटबॉल क्लब के कोऑर्डिनेटर एवं ट्रस्टी श्री अभिनव स्वामी, आज़ाद मंडल के अध्यक्ष श्री योगेंद्र गौड़, एडवोकेट प्रेरक स्वामी, श्री दीपक चतुर्वेदी एवं श्री चेतन शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रतियोगिता के सभी मुकाबले रामनिवास बाग स्थित यूनियन फुटबॉल क्लब के कबड्डी मैदान पर अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुए। पुरुष वर्ग महाराणा प्रताप टीम विजेता रहीं उपविजेता पंडित दीनदयाल एकेडमी रहीं महिला वर्ग में महेशवरी संस्था विजेता रही। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों ने पं. राधे लाल चौबे जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राज्य में हत्या प्रकरणों में 25 व लूट में 50 प्रतिशत कमी आई- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ''विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था'' विषय पर पुलिस सम्मेलन को संबोधित किया

जयपुर, 8 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सुदृढ़ कानून व्यवस्था की निर्णायक भूमिका है। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिता में त्वरित न्याय की अवधारणा से लोगों का विश्वास और मजबूत हो रहा है।

गुरुवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में 'विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश की कानून व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2023 के मुकाबले अपराधों में 15 प्रतिशत, हत्या के प्रकरणों में 25 प्रतिशत, लूट के प्रकरणों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, महिला अत्याचार में 10 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अत्याचार में 28 प्रतिशत की कमी आई है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारियों को अपने कनिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रति वर्ष 100 घंटे समर्पित करने चाहिए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में ''विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था'' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल व पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण के नवाचारों ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है और भारत सरकार के उपक्रम ''क्षमता संवर्धन आयोग'' द्वारा राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित अपराध को रोकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तथा इन पर पूरी तरह अंकुश लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार पुलिस बल को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठा रही है और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग खुफिया सूचनाओं के विश्लेषण में किया जाना चाहिए। पुलिस प्रशिक्षण के महत्व को देखते हुए सभी पुलिस अधिकारियों को अपने कनिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रति वर्ष 100 घंटे समर्पित करने चाहिए। 10 वर्ष से अधिक सेवा अनुभव वाले पुलिस अधिकारियों को एक-एक पुलिस स्टेशन को गोद लेना चाहिए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका है। महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग के लिए समर्पित भाव से कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में ई-विज़िटर्स पोर्टल एवं ई-जीरो एफआईआर का शुभारम्भ एवं राजस्थान पुलिस प्राथमिकता-2026 पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल, निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी संजीव कुमार नर्जरी सहित, पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बंगलादेश ने भारत में वीज़ा अनुभाग बंद किया

ढाका, 08 जनवरी। बंगलादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने तीन मिशनों के वीज़ा अनुभाग को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

तौहीद हुसैन ने मीडिया से कहा, ''मैंने अपने तीन मिशनों से कहा है कि वे फिलहाल अपने वीज़ा अुनभाग बंद रखें। यह सुरक्षा का मामला है।'' उन्होंने हालांकि मिशनों के नाम नहीं

- **बंगलादेश के अनुसार यह सुरक्षा के कारण किया गया है।**

बताए, लेकिन यूएनबी के अनुसार, बंगलादेश ने नयी दिल्ली में बंगलादेश उच्चायोग, कोलकाता में उप उच्चायोग और अगरतला में सहायक उच्चायोग के वीज़ा अनुभाग बंद कर दिए हैं, जबकि चेन्नई और मुंबई में बंगलादेश मिशनों के वीज़ा अनुभाग कार्यरत हैं।

ऑब्ज़र्वर बंगलादेश के अनुसार, कोलकाता उप उच्चायोग में वीज़ा सेवाओं का निलंबन बुधवार से प्रभावी हुआ। इस फैसले के तहत भारतीय नागरिकों के लिए सभी वीज़ा सेवाएं, वाणिज्यिक और वर्क वीज़ा को छोड़कर रोक दी गई हैं। वाणिज्यिक और वर्क वीज़ा को छोड़कर सभी श्रेणियों के लिए वाणिज्य दूतावास और वीजा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

तुर्कमान गेट मस्जिद के पास पथराव में 30 आरोपियों की पहचान

तुर्कमान गेट के पास फैज़ ए- इलाही मस्जिद के आसपास हुए अतिक्रमण को हटाने गई नगर निगम टीम पर स्थानीय लोगों ने पत्थर बरसाए थे

नई दिल्ली, 08 जनवरी। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने तुर्कमान गेट इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास नगर निगम के अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान हुई हिंसा में शामिल 30 लोगों की पहचान कर ली है। यह पहचान सीसीटीवी फुटेज, पुलिसकर्मियों के बॉडी-वॉर्न कैमरे की रिकॉर्डिंग और इलाके के वायरल वीडियो के आधार पर की गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को जांच में शामिल होने के लिए जल्द ही समन भेजा जाएगा, क्योंकि आरोप है कि हिंसा शुरू होने से पहले वे घटनास्थल पर मौजूद थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार, सीनियर अधिकारियों ने सांसद से घटनास्थल से दूर रहने का अनुरोध किया था, लेकिन घटना से पहले वे उस इलाके के पास ही रहे। आरोपियों की पहचान करने के लिए कई पुलिस टीमें बनाई गई हैं, और पहचाने गए लोगों को हिरासत में लेने के लिए छापेमारी की जा रही है।

एफआईआर की कॉपी में घटनाओं का पूरा क्रम दर्ज है, जिसमें अतिक्रमण वाली जमीन पर पुलिस की बैरिकेडिंग से लेकर एक दर्जन स्थानीय लोगों द्वारा भड़काऊ नारे लगाने और

- **इस मामले में पुलिस समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से भी पूछताछ करेगी। आरोप है कि हिंसा शुरू होने से पहले वे वहीं थे।**

फिर पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकने तक की बातें शामिल हैं। पुलिसकर्मी स्थानीय लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे थे कि यह तोड़फोड़ अभियान सिर्फ अवैध निर्माणों और अवैध रूप से कब्जाई गई सरकारी जमीन को खाली कराने तक सीमित है और पास की मस्जिद को कोई नुकसान नहीं होगा। एफआईआर के अनुसार, करीब 12:40 बजे, जब पुलिसकर्मियों ने इलाके में बैरिकेडिंग शुरू की, ठीक उसी समय 30-35 लोगों का एक समूह मौके पर एकत्र हो गया और नारे लगाने लगा तथा पुलिस को नाकाबंदी करने से रोकने लगा।

उपद्रवी तत्वों से कहा गया कि वे मौके पर इकट्ठा न हों, क्योंकि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163 (जो उपद्रव या संभावित खतरे के मामलों में लागू होती है) लागू थी और उन्हें जल्दी से तितर-बितर हो जाना चाहिए था, लेकिन भीड़ नरम पड़ने के बजाय और ज्यादा आक्रामक हो गई। भीड़ ने नारेबाजी तेज कर दी और पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंकने और भीड़ द्वारा बैरिकेड्स को नुकसान पहुंचाने के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिससे ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर सीधे हमले को लेकर नेटिजन्स के एक वर्ग में गुस्सा देखा गया। एफआईआर में कहा गया कि एक प्रदर्शनकारी ने लाउडस्पीकर छीन लिया और उसे तोड़ दिया। उन्होंने न सिर्फ ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को रोका और उन पर हमला किया, बल्कि लाउडस्पीकर-बैरिकेड्स भी तोड़े और पुलिसकर्मियों पर पत्थरों से हमला किया। इस हमले में एसएचओ सहित, कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए और बाद में उन्हें एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अतिरिक्त बल बुलाए जाने के बाद ही हिंसक प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेला गया और धार्मिक ढांचे के आसपास की अवैध संरचनाओं को गिरा दिया गया। एफआईआर में नामजद पांच आरोपियों की पहचान मोहम्मद शाहनवाज, मोहम्मद आरिब, मोहम्मद कासिफ, मोहम्मद अदनान और मोहम्मद कैफ के रूप में हुई है। ये सभी चांदनी महल इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

भारत ने रुसी तेल की खरीद में चुपचाप कमी की

इसकी भरपाई के लिए परमाणु सहयोग में भारी बढ़ोतरी की संभावना है

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका द्वारा रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने की धमकी के मद्देनजर, भारतीय कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल का आयात कम कर दिया है या पूरी तरह से रोक दिया है।

भारत ने हालांकि आधिकारिक रूप से कहा है कि उसे किसी भी स्त्रोत से कच्चे तेल की खरीद करने का अधिकार है, लेकिन उसने चुपचाप रूस से खरीद को कम कर दिया है, जबकि अमेरिका

- **भारत ने अधिकारिक रुप से कहा कि हमें किसी भी देश से तेल खरीदने का अधिकार है, पर ट्रंप की धमकियों के कारण तेल रिफाइनरियों को चुपचाप रुसी तेल खरीद बंद करने की सलाह दी गई है।**

से आयात में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि भारत रूस के साथ अपने रक्षा एवं परमाणु सहयोग का विस्तार कर रहा है और रूस को संयुक्त उद्यमों में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, जबकि दोनों देशों के बीच तेल व्यापार में कमी आयी है।

सरकारी तेल रिफाइनरियों को चुपचाप रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति कम करने और गैर-प्रतिबंधित कंपनियों से अपनी खरीद सीमित करने की सलाह दी गई है, जबकि दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी कंपनियों में से एक रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कहना है कि उसे पिछले तीन हफ्तों से कोई रूसी कच्चा तेल नहीं मिला है और न ही इस महीने मिलने की उम्मीद है। भारत ने किसी एक देश से तेल आयात को अपनी कुल कच्चे तेल की खरीद का 25 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रखने का नीतिगत निर्णय भी लिया है। यह कदम भू-राजनीतिक जोखिमों को सीमित करने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के अपने दीर्घकालिक उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

जयपुर का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री रहा

जयपुर, 08 जनवरी। राजस्थान में शीतलहर एवं कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है और पिछले 24 घंटों में 2.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सीकर सबसे सर्द स्थान रहा, जबकि सुबह कुछ स्थानों

- **अगले 2-3 दिन सर्दी और बढ़ने की संभावना।**

पर घने से अति घना कोहरा छाया रहा। वहीं आगामी दो-तीन दिनों में सर्दी के और बढ़ ने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में इस दौरान जैसलमेर भी 3.3 डिग्री सेल्सियस के साथ काफी ठंडा स्थान रहा जबकि राजधानी जयपुर में 4.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

पर्वतीय स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

विभाग के अनुसार, आगामी दो तीन दिन में उत्तरी एवं पश्चिमी भागों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की और गिरावट होने एवं तापमान सामान्य से दो-चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज होने तथा शीतलहर चलने के आसार हैं।

दिल्ली में फ्लू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ मरीजों में इन्फ्लुएंजा, जिसमें एच3एन2 भी शामिल है, पाया जा रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि एक साथ कई तरह के श्वसन वायरस और यहां तक कि बाद में होने वाले बैक्टीरियल संक्रमण भी फैल रहे हो सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि यह फ्लू क्यों फैल रहा है और शुरुआती दौर में सही कदम उठाने से इसकी गंभीरता और फैलाव दोनों को कम किया जा सकता है।

मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका में संक्रामक रोग विभाग की प्रमुख और सलाहकार डॉ. अंकिता बैद्य का कहना है, ''यह अभी की बात नहीं है, लगभग एक महीने से चल रहा है। फ्लू के बहुत मामले सामने आ रहे हैं और सांस से जुड़ी कई बीमारियां देखी जा रही हैं। यह खासकर यात्रा करने वाले लोगों में ज्यादा है और सभी उम्र के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं।''

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अवि कुमार का भी कहना है कि कुछ मामलों में एच3एन2 जरूर है, लेकिन वही अकेला कारण नहीं है।

ममता अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दफ्तर से चुनावी रणनीति और दूसरी चीज़ों से जुड़ा डेटा ले जा रही थी, इसलिए उन्हें हस्तक्षेप करना पड़ा। यह स्पष्ट रूप से एक राज्य की मुख्यमंत्री द्वारा अपनी पुलिस फोर्स का इस्तेमाल करके चल रही जांच में रूकावट डालना था। ई.डी. ने बाद में जोर देकर कहा कि ममता बनर्जी के आने से पहले जांच बिल्कुल ठीक और पेशेवर तरीके से चल रही थी। लेकिन जैसे ही वे वहां पहुंचीं, अफरा-तफरी मच गई और जांच से जुड़े अहम सबूत ईडी अधिकारियों के सामने ही वहां से हटा लिए गए। अब देखना यह है कि ईडी और केन्द्र सरकार इस स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। अगर यही काम किसी आम आदमी ने किया होता तो न्याय और जांच में रूकावट डालने वाले लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाता। लेकिन ममता बनर्जी और उनके साथियों का मामला अलग ही है। साफ तौर पर कानून तोड़ने के बावजूद, उनके खिलाफ कभी कार्रवाई नहीं होती। एक मशहूर मामला यह भी है कि जब अभिषेक बनर्जी की पत्नी बैंकॉक से कोलकाता हवाई अड्डे पर भारी मात्रा में सोने के साथ पकड़ी गई थीं, तब राज्य पुलिस का दस्ता भेजकर उन्हें और सोने को वहां से छुड़ा लिया गया। उस मामले में भी आगे कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई।

सरमथुरा में खनन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभाग का दल मौके पर पहुंचा। अवैध खनन रोकने के प्रयास के दौरान वनरक्षक जितेन्द्र सिंह के बाएं पैर पर ट्रैक्टर का टायर चढ़ गया।

इस घटना से वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अन्य दल मौके पर पहुंचा। घायल जितेन्द्र सिंह को तत्काल सरमथुरा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें करौली रेफर किया गया और फिर जयपुर भेजा गया। विभाग का एक दल उनके साथ जयपुर गया है। वनरक्षक जितेन्द्र सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। क्षेत्रीय वन अधिकारी देवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि घायल वनरक्षक के होश में आने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मिल पाएगी। यह घटना टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हुई है।

लगातार नौवाँ बजट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए संयुक्त रणनीतियाँ तैयार कर सकते हैं। कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स की बुधवार की बैठक में संसद के कैलेंडर को अंतिम रूप दिया गया है। मीटिंग की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। कैलेंडर के अनुसार, बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित होगा: पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक। सीतारमण इस साल, लगातार नौवाँ बजट पेश करके, एक रिकॉर्ड बनाएंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड सबसे अधिक, 10 बजट पेश करने का है, लेकिन ये दो चरणों में पेश किए गए थे: 1959 से 1964 और 1967 से 1969 के बीच। पी चिदंबरम ने नौ और प्रणब मुखर्जी ने आठ बजट विभिन्न प्रधानमंत्रियों के कार्यकालों में पेश किए थे।

अमेरिका 66 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अलग हुआ

वाशिंगटन, 08 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रीय हित का हवाला देते हुए देश को 66 वैश्विक संगठनों से अलग करने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि संयुक्त राष्ट्र से जुड़े निकायों सहित, इन 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों, एजेंसियों और आयोगों से अब अमेरिका का कोई वास्ता नहीं है। आदेश के अनुसार, ये समूह अब अमेरिका के राष्ट्रीय हितों की सेवा नहीं करते हैं। आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प का रुख बेहद स्पष्ट है कि इन संस्थानों को अमेरिकी जनता की मेहनत की कमाई भेजना अब स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि

- **ट्रंप का मानना है कि ये संगठन अब अमेरिका के हितकर नहीं हैं।**

इसके बदले में देश को कुछ भी हासिल नहीं होता है। बयान के मुताबिक, अमेरिकी लोगों की कीमत पर विदेशी हितों को अरबों डॉलर का करदाताओं का पैसा देने का दौर अब खत्म हो गया है।

विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की समीक्षा अभी जारी है और प्रशासन हर मामले के आधार पर भविष्य में अमेरिकी भागीदारी का मूल्यांकन करता रहेगा।

भर्ती परीक्षा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरिए नकल कराई जा रही थी। इस संबंध में एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि फेरिश कुमार स्वयं अभ्यर्थी था और गैंग से मिलीभगत कर ब्लूटूथ के माध्यम से नकल कर रहा था। मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया था। जिस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। एसओजी ने आरोपी फेरिश कुमार (26) निवासी कालू जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक कुल 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

क्या लद्दाख में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक गंभीर सवाल पैदा होता है कि ऐसे यूट्यूबरों को इतनी जोखिम भरी और खतरनाक जगहों पर जाने की अनुमति आखिर दी ही क्यों जाती है, वह भी खतरनाक मौसम के दौरान?'' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बार-बार ऐसे बचाव अभियानों से सशस्त्र बलों पर बेवजह दबाव पड़ सकता है। ''इस मामले की सही तरीके से जांच होनी चाहिए और अत्यधिक जोखिम वाले मौसम में ऐसी मंजूरियों को सख्ती से रोक देना चाहिए, ताकि जान-माल का नुकसान न हो और हमारी सशस्त्र सेनाएं अनावश्यक रूप से परेशान न हों।''

'भर्ती प्रक्रिया के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे कई अभ्यर्थी लिखित परीक्षा के बाद फिजिकल और साक्षात्कार तक पहुंचे थे। इसके बाद वे असफल हो गए थे। ऐसे में नियमानुसार एक बार चयन प्रक्रिया में शामिल होने पर उसे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चयनित अभ्यर्थियों की ओर से यह भी कहा गया कि परीक्षा के कई विभिन्न चरण हुए थे, जिसके हर स्तर पर मिलीभगत साबित नहीं हुई है। इसके अलावा एसओजी, महाधिवक्ता और कैबिनेट उप समिति की रिपोर्ट सिर्फ सिफारिश मात्र थी। एकलपीठ में याचिकाकर्ताओं ने भर्ती को लेकर अंतिम निर्णय होने से पूर्व ही याचिका दायर कर दी। इसके बावजूद एकलपीठ ने भर्ती को रद्द करने के संबंध में आदेश दे दिए।

अप्रेल में राज्यसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीट का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है। सिंघवी एक वकील हैं और कांग्रेस नेतृत्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे कई महत्वपूर्ण मामलों को संभाल रहे हैं।

तेलंगाना से दो सीटें खाली हो रही हैं। रिटायर होने वाले दूसरे व्यक्ति मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी अनिल यादव हैं, तो वे वहां से लौट सकते हैं या राजस्थान से आ सकते हैं।

एक और प्रमुख दावेदार पवन खेड़ा हैं, जो एआईसीसी मीडिया चेयरमैन हैं और जिन्हें अशोक गहलोत का समर्थन प्राप्त है, लेकिन इस बार गहलोत खुद को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

पिछली बार खेड़ा हार गए थे और तब उन्होंने विनम्रता से कहा था कि, ''मेरी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी।'' इस बार अपनी तपस्या के तहत विपश्यना पर गए थे, हाल ही में लौटे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि यही उनका काम बना देगी।

नीरज डांगी राजस्थान से रिटायर हो रहे हैं। लोकप्रियता से दूर तथा शांत रहने वाले डांगी अशोक गहलोत की पसंद थे, लेकिन यह संभावना कम है कि उन्हें फिर से मौका मिलेगा, फिर भी एक प्रयास में कोई हर्ज नहीं है।

वरिष्ठ नेता सी. पी. जोशी भी काफी समय से दिल्ली में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी से रिश्ते खराब होने के बाद, अब वे के. सी. वेणुगोपाल के जरिए प्रयास कर रहे हैं, जिन्हें राहुल गांधी का प्रॉक्सी माना जाता है।

पवन गोदारा, एक स्थानीय जाट नेता हैं, और यदि पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा को हटाया जाता है, तो एक जाट को राज्यसभा में समायोजित किया जा सकता है।

हालांकि राज्यसभा चुनाव का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि राहुल गांधी की ''जय जगत'' कोर टीम का प्रत्येक सदस्य राज्यसभा के लिए जोर लगा रहा है, क्योंकि उनके पास राहुल गांधी का समर्थन है और राहुल उनकी बात सुनते हैं।

प्रवीण चक्रवर्ती और सचिन राव राजस्थान से जोर लगा रहे हैं, मीना कश्यप मध्य प्रदेश से, और अन्य कई लोग भी इस दौड़ में हैं।

डिमांड और सप्लाई के बीच बड़ा अंतर है और मुकाबला आने वाले हफ्तों में और भी दिलचस्प हो सकता है!!

वांगचुक केस में बंदी प्रत्यक्षीकरण पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, वांगचुक के उस भाषण को दबा दिया गया जिसमें उन्होंने शांति की अपील की थी

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के अंतर्गत, लद्दाख स्थित सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विस्तार से सुनवाई की।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए गए वांगचुक के पक्ष में मौजूद सामग्री, विशेष रूप से शांति की अपील करने वाले भाषण को, हिरासत में लेने वाले अधिकारियों ने जानबूझकर दबा दिया।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति प्रसन्ना वराले की पीठ ने वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि आंगमो द्वारा दायर याचिका पर आज पूरी सुनवाई की, जिसमें लद्दाख में

- **वांगचुक के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि आंगमो ने दायर की है।**

कथित रूप से हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर, 2025 को पारित हिरासत आदेश को चुनौती दी गई है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता सिब्बल ने तर्क दिया कि हिरासत आदेश दुर्भावना से प्रेरित था और अनुच्छेद 22 के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन था। उन्होंने कहा कि यह आदेश मुख्य रूप से बंदी प्राधिकारी द्वारा भरोसा किए गए चार वीडियो पर आधारित था, जिनकी तारीखें 10 सितंबर, 11 सितंबर और 24 सितंबर थीं।

हालांकि, 29 सितंबर को हिरासत के कारणों की जानकारी दी गई थी, लेकिन हिरासत का आधार बनने वाले ये चार वीडियो बंदी को नहीं दिए गए। सिब्बल ने तर्क दिया कि यह स्थापित कानून है कि जिन दस्तावेजों पर भरोसा किया गया है, उनकी जानकारी दिए बिना हिरासत में लेना संविधान के अनुच्छेद 22 का उल्लंघन है, जिससे हिरासत अवैध हो जाती है। सरकार की ओर से दावा किया गया कि सभी सामग्री उपलब्ध करा दी गई थी। लेकिन सिब्बल ने जोर देकर कहा कि इस दावे को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 28 दिनों की अत्यधिक देरी के बाद हिरासत के आधार प्रस्तुत किए गए, जो वैधानिक समय सीमा का स्पष्ट उल्लंघन है।

सिब्बल के अनुसार, 29 सितंबर को वांगचुक को अधूरे आधार पर केवल हिरासत आदेश ही दिए गए, जबकि चार महत्वपूर्ण वीडियो गायब थे। उन्होंने बताया कि अंततः जो उपलब्ध कराया गया वह केवल वीडियो लिंक था। हालांकि पांच अक्टूबर को एक लैपटॉप उपलब्ध कराया गया। सिब्बल ने तर्क दिया कि इससे समस्या का समाधान नहीं हुआ, क्योंकि पहले दी गई पेन ड्राइव में वे चार वीडियो मौजूद नहीं थे, जिन पर भरोसा किया जा रहा था। सिब्बल ने न्यायालय को बताया कि वांगचुक ने हिरासत से बार-बार पत्र लिखकर वीडियो न मिलने की शिकायत की और उनकी प्रतियां मांगी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

अमेरिका हमेशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रम्प प्रशासन अमेरिकी ऊर्जा कंपनियों पर वेनेज़ुएला के बदहाल तेल इन्फ्रास्टक्चर को फिर से बनाने और इसके घटते उत्पादन को फिर से जीवित करने के लिए दबाव बना रहा है। ऊर्जा विभाग ने कहा कि अमेरिका वेनज़ुएला के तेल क्षेत्र पर से आंशिक रूप से प्रतिबंध भी हटा रहा है।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने मंगलवार शाम को कहा कि वेनेज़ुएला अपने तेल का 50 मिलियन बैरल तक अमेरिकी बिक्री के लिए सौंपेगा, जिसकी कीमत मौजूदा बाज़ार मूल्य के हिसाब से लगभग 2.8 बिलियन डॉलर है।

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने ''रूस प्रतिबंध विधेयक'' को मंजूर कर दिया है, जिसे रूस के व्यापारिक साझेदारों, जैसे भारत, चीन और ब्राज़ील को रूस के तेल खरीदने के लिए दंडित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो एक प्रमुख रक्षा विशेषज्ञ हैं, ने यह जानकारी दी।

यदि यह विधेयक पास होता है, तो ग्राहम-ब्लूमेंटल प्रतिबंध विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देगा, जो जानबूझकर रूसी तेल या यूरेनियम खरीदते हैं और ''रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन प्रदान करते हैं।'' यह कड़ा प्रतिबंध पैकेज मास्को को आर्थिक रूप से कमज़ोर करने के उद्देश्य से है, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौता करने की कोशिश कर रहा है।

ग्राहम ने कहा कि उन्होंने बुधवार को वाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात की, जिसमें राष्ट्रपति ने इस विधेयक का समर्थन किया, जो महीनों से तैयार किया जा रहा था। वाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस घटनाक्रम की पुष्टि की।

ग्राहम ने कहा, ''यह समयानुकूल होगा, क्योंकि यूक्रेन तो शांति के लिए समझौते कर रहा है और पुतिन बस बातें कर रहे हैं, निदोर्षों को मार रहे हैं।

ग्राहम ने कहा कि अगले हफ्ते में मतदान हो सकता है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह कैसे होगा। सीनेट अगले हफ्ते एक छोटे-से सरकारी फंडिंग पैकेज पर विचार करने वाली है, जिसे हाउस ने अभी विचार में लिया है, अगर हाउस इसे पास करता है। अगले हफ्ते के बाद सीनेट में मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे के अवसर पर अवकाश होगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908